



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 70]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 19, 2004/फाल्गुन 29, 1925

No. 70]

NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 19, 2004/PHALGUNA 29, 1925

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 मार्च, 2004

अंतिम जांच परिणाम

विषय : चीन जनवादी गणराज्य, पोलैंड, रूस तथा रोमानिया से बॉल बेयरिंग्स (50 मिली मी. बोर व्यास तक) के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच

सं. 14/30/2002-डीजीएडी.—भारत सरकार वर्ष 1995 के यथा-संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियम, 1995 को ध्यान में रखते हुए :—

क. प्रक्रिया

2. जांच के लिए निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है :

- (i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा गया है) को उपरोक्त नियमावली के अधीन घरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व करते हुए बॉल एण्ड रोलर बेयरिंग मैन्युफैक्चर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया, नई दिल्ली से इसके सदस्यों अर्थात् मै. एफ ए जी बेयरिंग्स

इंडिया लि० वदोदरा, मै० एन आर बी बेयरिंग्स लि० मुम्बई, मै० इस के एफ बेयरिंग्स इंडिया लि० मुम्बई, मै० नेशनल इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज लि० जयपूर, मै० टाटा आयरन एंड स्टील कंपनी लि० (बेयरिंग प्रभाग) खड़गपुर से लिखित याचिका प्राप्त हुई है जिसमें चीन जनवादी गणराज्य, पोलैंड, रूस तथा रोमानिया (जिसे इसके बाद संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के तथा वहां से निर्यातित बॉल बेयरिंग्स तथा उसके पुर्जे तथा संघटकों (50 मिली मी० बोर व्यास तक) जिसे इसके पश्चात संबद्ध वस्तु कहा गया है। के पाटन का आरोप लगाया है।

- (ii) आवेदन की प्रारंभिक जांच से कतिपय त्रुटियों का पता चला जिसे बाद में याचिका कर्ता द्वारा दूर कर दिया गया। इसके पश्चात याचिका को सही ढंग से प्रलेखित दस्तावेज माना गया।
- (iii) प्राधिकारी ने उपरोक्त नियम 5 के उपनियम (5) के अनुसार जांच शुरू करने से पहले याचिकाकर्ता द्वारा किये गये पाटन के आवेदन की प्राप्ति के बारे में भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों को सूचित किया।
- (iv) प्राधिकारी ने सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की अनुसूची 1 के अध्याय शीर्ष/उपशीर्ष 8482.10, 8482.80, 8482.91 के अंतर्गत आने वाले बाल बेयरिंग्स और उसके पुर्जे तथा संघटक (50 मिली मी० बोर व्यास तक) के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए दिनांक 21 सितम्बर 2002 की सार्वजनिक सूचना भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित की।
- (v) प्राधिकारी ने उक्त सार्वजनिक सूचना की प्रति ज्ञात निर्यातकों आयातकों और शिकायतकर्ताओं को भेजी और उन्हें अपने विचार लिखित में देने का अवसर प्रदान किया।
- (vi) प्राधिकारी ने पूर्वोक्त नियम 6 के उपनियम (3) के अनुसार भारत में सभी ज्ञात निर्यातकों और संबद्ध देशों के दूतावासों को याचिका की प्रति उपलब्ध कराई।
- (vii) प्राधिकारी ने संबंधित सूचना प्राप्त करने के लिए प्रारंभिक जांच परिणाम में दिये गये ब्यौरे के अनुसार निर्यातकों को प्रश्नावली भिजवाई।

- (viii) नई दिल्ली में संबद्ध देशों के दूतावासों को जांच की शुरूआत के बारे में भी सूचित किया गया था और उनसे अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों से निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली भरकर भेजने का अनुरोध किया गया था।
- (ix) प्रारंभिक जांच परिणामों में यथा उल्लिखित संबद्ध वस्तुओं के ज्ञात आयातकों को प्रश्नावली भेजी गई थी।
- (x) याचिकाकर्ता से क्षति के संबंध में अतिरिक्त ब्यौरा मांगा गया था जिसे प्रस्तुत कर दिया गया था।
- (xi) केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सी बी ई सी) तथा डी जी सी आई एंड एस से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के ब्यौरे उपलब्ध कराने हेतु अनुरोध किया गया था।
- (xii) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्य के अगोपनीय अंश को एक सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध रखा और इसे हितबद्ध पार्टियों द्वारा निरीक्षण हेतु खुला रखा।
- (xiii) कुछ हितबद्ध पार्टियों ने प्रश्नावली का जवाब प्रस्तुत करने के लिए समय बढ़ाने का अनुरोध किया जिसे उचित कारण दर्शाने पर प्रदान कर दिया गया ।
- (xiv) प्राधिकारी ने दिनांक 6 मई 2003 की अधिसूचना द्वारा प्रारंभिक जांच परिणामों को अधिसूचित किया तथा हितबद्ध पार्टियाँ अपने विचार लिखित रूप से इसके प्रकाशन के चालीस दिनों के भीतर प्रस्तुत करने का अनुरोध किया।
- (xv) प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रकाशन के पहले हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किये गये तर्क जिसे प्रारंभिक जांच परिणामों में अधिसूचित कर दिया गया है को संक्षिप्तता हेतु दोहराया नहीं गया है। तथापि, हितबद्ध पार्टियों द्वारा बाद में प्रस्तुत किये गये तर्क को प्रकटण विवरण तथा इनके जांच परिणामों में उपर्युक्त तरीके से प्रस्तुत किया गया है।
- (xvi) प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों को प्रारंभिक जांच परिणामों की एक प्रति भी इस अनुरोध के साथ भेजी थी वे संबद्ध वस्तुओं के निर्यातकों/उत्पादकों तथा दूसरे हितबद्ध पार्टियों को प्रारंभिक जांच परिणामों पर उपर उल्लिखित समय सीमा के अंदर अपने विचार प्रस्तुत करने का सलाह दें।
- (xvii) प्राधिकारी ने हितबद्ध पार्टियों को दिनांक 15 जुलाई 2003 को आयोजित सार्वजनिक सुनवाई में अपने विचार मौखिक रूप से रूप से प्रस्तुत करने का एक अवसर दिया।

विचार प्रस्तुत करने वाले सभी पार्टियों से उनके द्वारा प्रस्तुत विचार को लिखित रूप से प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था। पार्टियों से विरोधी पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किये गये विचार की एक प्रति प्राप्त करने तथा कोई खंडन हो तो प्रस्तुत करने का भी सलाह दिया गया था।

- (xviii) उपरोक्त नियमावली के नियम 16 के अनुसार इन जांच परिणामों के लिए आवश्यक समझे जाने वाले तथ्यों/मुद्दों को ज्ञात हितबद्ध पार्टियों 1 मार्च 2004 की प्रकटन विवरण द्वारा प्रकट किया गया था तथा उन पर प्राप्त टिप्पणियों को इन जांच परिणामों में उपर्युक्त रूप से विचार किया गया है।
- (xix) उत्पादन लागत को अधिकतम बनाने तथा सामान्यतः स्वीकार्य गणना सिद्धांत (जी एस पी) तथा याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराये गये सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तु की बिक्री हेतु लागत को अधिकतम बनाने हेतु घरेलू उद्योग की मूल्य जांच स्थानीय जांच (जिसे आवश्यक समझा गया) समेत मूल्य जांच को भी लिया गया है।
- (xx) प्राधिकारी ने निर्यातक/उत्पादक मै0 ह्यूांची बेयरिंग ग्रुप कं0 लि0, निग्बो टेके बेयरिंग कं0लि0, नियगबो ह्यूांची इम्पोर्ट तथा एक्सपोर्ट कं0लि0 चीन द्वारा उपलब्ध कराये गये सूचना के आधार पर स्थानीय जांच को लिया।
- (xxi) इस अधिसूचना में ***** से हितबद्ध पार्टियों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना प्रदर्शित है और नियमों के तहत प्राधिकारी द्वारा उसे गोपनीय ही माना गया है।
- (xxii) इस जांच में 1 जनवरी 2001 से 31 मार्च 2002 तक की अवधि शामिल है।
- (xxiii) जांच शुरूआत संबंधी सूचना की प्रतियां व्यापक परिचालन के लिए फिक्की सी आई आई, एसोचैम इत्यादि को भी भेजी गयी थी
- (ख) याचिकाकर्ताओं, निर्यातकों, आयातकों तथा दूसरे हितबद्ध पार्टियों के विचार तथा प्राधिकारी द्वारा जांच।

3. विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किये गये विचार पर प्रारंभिक जांच परिणामों तथा प्रकटन विवरण में भी विचार किया गया है। प्रकटन विवरण में जबाब में दिये गये विचार पर नीचे दिये गये संबद्ध पैराग्राफ में, उस सीमा जहाँ तक ये नियमावली के अनुसार प्रासंगिक है तथा इसका इस मामले में प्रभाव पड़ता है, विचार किया गया है।

4. उपरोक्त नियमावली के अनुसार प्राधिकारी द्वारा अनुरोध किये जाने पर नये निर्यातकों के मामलों पर विचार किया जाएगा।

5. प्रारंभिक जांच परिणामों के बाद निम्नलिखित आयातकों, निर्यातकों, उत्पादक एशोसिएशन तथा चैम्बर्स ने विचार प्रस्तुत किये हैं:-

आयातकों/एशोसिएशन्स/चैम्बर्स

- (i) फिक्की
- (ii) एसोचैम
- (iii) ऑल इंडिया बॉल बेयरिंग मर्चेन्ट्स एशोसिएशन, मुंबई
- (iv) मै0 पोलर इंडस्ट्रीज लिमिटेड, नोयडा
- (v) इंडियन फैन मैनुफैक्चरर्स एशोसिएशन, (आई एफ एम ए), कोलकाता
- (vi) ईस्टर्न इंडिया बॉल बेयरिंग मर्चेन्ट्स एशोसिएशन, कोलकाता
- (vii) मै0 जय इंजीनियरिंग वर्क्स लिमिटेड
- (viii) मै0 बजाज इलेक्ट्रीकलस लिमिटेड
- (ix) मै0 दोशी ब्रदर्स मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई
- (x) मै0 निसीकी बेयरिंग्स प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई

निर्यातक

- (i) मै0 हुआंची बेयरिंग ग्रुप कं0 लि0, निंगावो टेक बेयरिंग कं0 लि0 निंगावो हुआंची इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं0 लि0, चीन
- (ii) मै0 एस0जी0 कोयो रोमानिया एस0ए0, रोमानिया
- (iii) मै0 के0जी0 इंटरनेशनल एफ. जेड सी ओ, दुबई

उत्पादक

- (i) बॉल एंड रोलर बेयरिंग मैनुफैक्चरर्स एशोसिएशन ऑफ इंडिया, नई दिल्ली
- (ii) घरेलू उत्पादक

- (iii) लघु उद्योग बेयरिंग मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन (राजस्थान ईकाई), जयपूर
- (iv) मै0 ऑर्बीट इंजीनियरिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, राजकोट
- (v) मै0 कनकाई इंजीनियरिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, राजकोट

6. 01.03.2004 को जारी किए गए प्रकटीकरण पर निम्नलिखित हितबद्ध पक्षों ने अपनी प्रस्तुतियाँ दी:-

- (i) घरेलू उद्योग
- (ii) मै0 हुआंची बेयरिंग ग्रुप कं0 लि0, निंगावो टेक बेयरिंग कं0 लि0 निंगावो हुआंची इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं0 लि0, चीन
- (iii) मै0 एस0जी0 कोयो रोमानिया एस0ए0, रोमानिया
- (iv) मै0 के0जी0 इंटरनेशनल एफ जेड सी ओ, दुबई
- (v) ईस्टर्न इंडिया बॉल बेयरिंग मर्चेन्ट्स एसोसिएशन, कोलकाता
- (vi) इंडियन फैन मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन, (आई एफ एम ए), कोलकाता
- (vii) मै0 निसीकी बेयरिंग्स प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई
- (viii) लघु उद्योग बेयरिंग मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन (राजस्थान ईकाई), जयपूर
- (ix) ऑल इंडिया बॉल बेयरिंग मर्चेन्ट्स एसोसिएशन, मुंबई
- (x) मै0 दोशी ब्रदर्स मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई

7. जांच अवधि - वर्तमान मामला में जांच अवधि 1 जनवरी 2001 से 31 मार्च 2002 है।

इंडियन फैन मैनुफैक्चर्स एसोसिएशन (आई एफ एम ए) द्वारा यह तर्क दिया गया है कि डब्ल्यू टी ओ के दिशा निर्देश पाटनरोधी जांच को सामान्यतः 12 कैलेंडर महीनों की अवधि के लिए लिया जाता है, जबकि वर्तमान मामला में 15 महीनों की अवधि को जानबुझकर लिया गया है ताकि फैन उद्योग के लिए दो महीने के चरम मौसम की अवधि को शामिल किया जा सके, जिसके आधार तथा परिणामी आंकड़ों को गलत प्रस्तुत किया जाए।

मै0 एच सी एच द्वारा यह तर्क दिया गया है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा जांच अवधि के लिए 1 जनवरी 2001 से 31 मार्च 2002 तक लिये गये 15 महीनों का सही चयन नहीं किया गया है जबकि अधिकांश जांच परिणामों में जांच अवधि में सिर्फ एक वित्तीय वर्ष को लिया जाता है। वर्तमान जांच में बॉल बेयरिंग उद्योग के लिए जनवरी से मार्च तक की तीन सर्वाधिक प्रमुख महीनों को जांच अवधि में दो बार शामिल किया गया है। इस प्रकार निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा संकलित आयातों की मात्रा को बढ़ाकर प्रस्तुत किया गया है तथा यह संबद्ध देशों से भारत में वास्तविक आयातों की मात्रा को प्रस्तुत नहीं करता है।

प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस मामले में घरेलू उद्योग ने प्रारंभ में कैलेंडर वर्ष 2001 के लिए ब्यौरा देने हेतु आवेदन किया था। तथापि, चूंकि आवेदन की जांच तथा निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा पूछे गये सूचना को प्रस्तुत करने में कुछ ज्यादा समय लग गया, प्राधिकारी ने जांच अवधि को जांच की अवधि से यथा संभावित तत्कालिक बनाने हेतु तथा जिस हेतु ब्यौरा उपलब्ध करना था 1 जनवरी 2001 से 31 मार्च 2002 तक लेना उचित समझा। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि दोनों पाटनरोधी नियमावली में अथवा पाटनरोधी करार में जांच की अवधि के संबंध में कोई स्पष्ट दिशा निदेश नहीं है। प्राधिकारी इस प्रकार जांच अवधि में 15 महीना को लेने में कुछ भी असामान्य नहीं है। जनवरी 2001 से मार्च 2002 तक की पांच तिमाही के दौरान संबद्ध देशों में संबद्ध बॉल बेयरिंग्स के आयात निम्नानुसार रहे हैं:-

तिमाही	आयात मात्र
जनवरी - मार्च, 2001	53.64
अप्रैल - दिसम्बर, 2001	289.80
अप्रैल - दिसम्बर, 2001 के प्रत्येक तिमाही का औसत	96.60
जनवरी - मार्च, 2002	135.84

उपरोक्त सारणी के अनुसार, संबद्ध बॉल बेयरिंग के आयातों में प्रत्येक तिमाही में वृद्धि की प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है। तथापि जनवरी - मार्च 2001 की तिमाही में आयात अप्रैल - दिसम्बर 2001 की प्रत्येक तिमाही के औसत आयात से कम था। इसलिए जनवरी -

मार्च के दौरान सर्वाधिक महत्वपूर्ण अवधि के ए आई एफ एम ए के तर्क के उचित नहीं पाया गया है। प्रवृत्ति की तुलना के उद्देश्य से प्राधिकारी ने जांच अवधि में 15 महीना की अवधि के आधार पर 12 महीनों के आयात की वार्षिक आंकड़ा को लिया है। यह तुलना हेतु जांच अवधि के 12 महीनों के कम रहने अथवा ज्यादा रहने की स्थिति के लिए समान तरीका है।

8. जांच के लिए कोरिया के निर्यातकों को छोड़ना

यह तर्क दिया गया है कि कोरिया से किये गये निर्यातों को जान बुझकर जांच से अलग रखा गया है। घरेलू उद्योग ने यह टिप्पणी की है कि :-

(i) कोरिया से हुए पाटन का कोई साक्ष्य नहीं है। हितबद्ध पार्टियों ने शायद ही तर्क दिया है कि कोरिया से कम कीमत पर आयात हुए हैं बहुत ही कम कीमत पर हुए आयातों का अर्थ आयात का पाटन नहीं होता है।

(ii) घरेलू उद्योग द्वारा यह सूचित किया गया है कि कोरिया से किया गया आयात आपूर्तिकर्ता और खरीदार के बीच तकनीकी व्यवस्था है। इन आयातों के पीछे मुख्य कारण तकनीकी विचार है न कि मूल्य।

(iii) प्रतियोगिता के शर्तें कोरिया को शामिल करने के लिए उचित नहीं है क्योंकि कोरिया से हुए आयात न तो दूसरे देशों के हुए निर्यातों को प्रभावित कर रहा है और न ही यह घरेलू उद्योग की आपूर्तियों को प्रभावित कर रहा है।

कुछ हितबद्ध पक्षों ने चल रही जांच से कोरिया को हटाने का मुद्दे को पुनः जोर-शोर से उठाया है। प्राधिकारी ने मुद्दे को आगे जांच किया है। जांच करने पर यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग ने प्रारंभ में जांच की अवधि को जनवरी - दिसम्बर 2001 लेने के हेतु आवेदन किया था। उस समय के आयात आंकड़ों के आकलन के अनुसार कोरिया से होने वाले आयात निम्नानुसार थे :-

कोरिया गणराज्य से हुए आयात	1530280
कुल आयात	51092146
कोरिया गणराज्य से हुए आयात % में	2.995

यह आयात कुल आयात का 2.995% था और लगभग 3% से नीचे था जो न्यूनतम समझा गया। तदोपरान्त प्राधिकारी ने जांच अवधि को जनवरी 2001 से मार्च 2002 तक लेने का निर्णय किया जिससे कि यह प्रारंभिक तिथि से निकटतम संभव हो सके।

प्राधिकारी का दृष्टिकोण है कि यद्यपि कोरिया को हटाया जाना प्रारंभिक जांच अवधि का आवेदन के समय 12 महीने होना था, वास्तविक तथ्यों के मद्देनजर कोरिया से निर्यात के प्रश्न की अलग से पाटनरोधी जांच किया जाना उपयुक्त होगा।

8.अ. जांचाधीन वस्तु तथा समान वस्तु:

जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना के अनुसार जांचाधीन वस्तु बॉल बेयरिंग्स तथा इसके पुर्जे तथा संघटक (50 मिली मी० बोर व्यास तक) है। संबद्ध वस्तु का पंखों, विद्युत मोटर, ऑटोमोबाईल, पम्पस, घरेलू उपकरणों, औद्योगिक उपकरणों तथा दूसरे उद्योगों में व्यापक उपयोग होता है। प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किये गये तर्क तथा उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर, प्रारंभिक जांच परिणामों में सिर्फ 8 मि०ली०मी० से उपर तथा 50 मि०ली०मी० बोर व्यास के बॉल बेयरिंग्स के मॉडल/प्रकार पर अनुमोदन देने को आवश्यक समझा गया। प्रारंभिक जांच परिणामों के आधार पर, जांचाधीन वस्तु तथा समान वस्तु के मुद्दे पर निम्नलिखित तर्क/टिप्पणी प्राप्त किये गये हैं।

8.1 इस्टर्न इंडिया बॉल बेयरिंग मर्चेन्ट्स एसोसिएशन के विचार

- (i) याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित बॉल बेयरिंग संबद्ध देशों यथा चीन से हुए आयातित बॉल बेयरिंग्स के पूरी तरह न तो समान है और न ही सहश हैं।

जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों जैसे चीन से हुए अधिकांश आयात निम्न श्रेणी/सामान्य प्रकार के बेयरिंग्स है जिसका उत्पादन विभिन्न प्रकार के कच्ची सामग्री से तथा सुलभ उत्पादन प्रक्रिया द्वारा होता है।

- (ii) याचिकाकर्ता ने यह खुलासा नहीं किया है कि बॉल बेयरिंग्स विविध प्रकार के सामान हैं तथा प्रतिस्थापनीय नहीं है तथा माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी ने यह निष्कर्ष निकालने में भी भूल की है कि बॉल बेयरिंग्स की व्याख्या मूल मानक नाम (संख्या) पद्धति के आधार पर पूर्णतः प्रमाणित होता है। समान आकार वाले बेयरिंग्स का आकार समान होने पर भी विशेषताएँ जैसे ध्वनि स्तर बेयरिंग्स की आंतरिक सफाई, ग्रीज, आंतरिक तथा बाहरी रिंगों की सहनशीलता स्तर, भार क्षमता अलग-अलग होते हैं और इस प्रकार उनके कीमत भी भिन्न भिन्न होते हैं। इसके अलावा विभिन्न प्रकार के उपयोगों में भिन्न भिन्न प्रकार तथा गुण वाले बेयरिंग्स का उपयोग किया जाता है। वास्तव में विभिन्न मशीनों में एक ही प्रकार के बेयरिंग्स के उपयोग में विभिन्न विशेषताओं की आवश्यकता होती है। इसके अलावा इस तथ्य पर कि एक ही आकार वाले बेयरिंग का उत्पादन विभिन्न कच्ची सामग्री जैसे बेयरिंग स्टील (एस ए ई 52100), लो कार्बन स्टील, स्टेनलेस स्टील इत्यादि से होने से अंतर हो जाता है।
- (iii) प्रत्येक बॉल बेयरिंग का कीमत अलग-अलग होता है और यह उसके शुद्धता के गुण, कंपन, ध्वनि स्तर के साथ-साथ उपयोग किए गये कच्ची सामग्री पर निर्भर करता है। तथा इन प्रत्येक बेयरिंग का कीमत पूरी तरह अलग अलग होता है यद्यपि वे समान दिखते हैं तथा समान आकार तथा संख्या में होते हैं।
- (iv) संबद्ध देशों जैसे चीन से हुए बेयरिंग का आयात याचिकाकर्ता जैसे एस के एफ तथा एफ ए जी द्वारा विनिर्मित उच्च ग्रेड का संबद्ध वस्तु से पूरी तरह भिन्न है यद्यपि वे एक ही तरह के दिखते हैं तथा इन बेयरिंग्सों को भारत में

मुख्यतः पूरी तरह अगल बाजार खंडों में बेचा जाता है तथा इनका सीमित व्यावसायिक उपयोग है। चीन से होने वाले छोटे बेयरिंग्स को छोटे व्यापारी द्वारा खरीदा जाता है जो इस स्थानीय पंखा, पम्प तथा घरे उपकरण उद्योग को बेच देते हैं जो अपना अंतिम उत्पाद स्थानिय बाजार में बेचते हैं।

- (v) संबद्ध देशों जैसे चीन से होने वाले सामान्य वर्ग के बेयरिंग्स का आयात का शुद्धता केवल ए.बी.इ.सी-1 तक होता है तथा इसका कंपन स्तर पर भी सबसे खराब होता है तथा यह वास्तव में VI वर्ग से भी नीचे होता है अर्थात् सबसे निम्नवर्ग का होता है तथा बेयरिंग्स का कीमत तथा ग्रड का निर्धारण कंपन स्तर के आधार पर होता है। भारत के बाजार में “सामान्य” वर्ग के बेयरिंग्स को वाणिज्यिक गुणता बेयरिंग्स के रूप में जाना जाता है।
- (vi) इसके विपरित, याचिकाकर्ता उच्च गुण शुद्धता बेयरिंग्स (सामान्य v3 ग्रुप बेयरिंग्स) का निर्माण करते हैं जिसकी शुद्धता स्तर ए.बी.इ.सी-3 (एस के ए के मामला में ए.बी.इ.सी-5 तक) तथा सहने के स्तर काफी अधिक होता है। भारतीय बाजार में इन बेयरिंग्सों को कभी कभी शुद्ध गुण वाले बेयरिंग्स कहा जाता है। इस प्रकार, तकनीकी विशेषताओं में अंतर के अलावा वाणिज्यिक नामाकरण तथा उपयोग भी भिन्न भिन्न होता है।
- (vii) याचिकाकर्ता द्वारा निर्मित 60% बेयरिंग्स का उपयोग इंडियन आटोमोटिव उद्योग द्वारा किया जाता है। याचिकाकर्ता द्वारा लगाया गया पाटन मार्जिन 89% से 407% के बीच है यदि याचिकाकर्ता द्वारा विनिर्मित वस्तु ओने तथा कीमत में अंतर ही एक मात्र अंतर रहता तो सबसे पहले इंडियन आटोमोटिव उद्योग संबद्ध देशों से आयातित बेयरिंग्स को अपनाता, विशेष का जांच अवधि के दौरान पहले इंडियन आटोमोटिव उद्योग अच्छी स्थिति में नहीं थे तथा मूल्य कटौती कर रहे थे। यह अपने आप में इस तथ्य का सूचक है कि याचिकाकर्ता द्वारा निर्मित वस्तु तथा संबद्ध देशों से निर्यातित बेयरिंग्स समान वस्तु नहीं है। चूँकि इंडियन आटोमोटिव उद्योग आयातित बेयरिंग्स के बजाय

याचिकाकर्ता का बेयरिंग्स खरीदता है, इससे यह स्पष्ट होता है कि याचिकाकर्ता के बेयरिंग्स को आयातित बेयरिंग्स द्वारा प्रतिस्थापन नहीं किया जाता है।

- (viii) याचिकाकर्ता द्वारा विनिर्मित 6201, 6202, 6203 तथा 6204 प्रकार के उच्च ग्रेड की बेयरिंग तथा जांच अवधि के दौरान भारत में संबद्ध देशों जैसे चीन द्वारा उत्पादित और बेचे जाने वाले समान ग्रेड के 6201, 6202, 6203 तथा 6204 बॉल बेयरिंग समान वस्तु नहीं है। चूंकि तकनीकी विशेषताएँ भिन्न हैं, परिणामस्वरूप उनके वाणिज्यिक अनुप्रयोग तथा उपयोग पूरी तरह भिन्न हैं और इस प्रकार बाजार खंड जहां इनका उपयोग किया जाता है पूरी तरह अलग-अलग है।

8.2 हूयांची बेयरिंग्स ग्रुप कंपनी लिमिटेड, निंगावो टेक बेयरिंग कं० लि० निंगावो हुआंची इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं० लि०, (एच सी एच) चीन के विचार:-

- (i) 10 मिली मी से 50 मिली मी बोर व्यास वाले वर्ग के अंतर्गत उत्पादित बेयरिंग्सों के आकार की संख्या 1000 से ज्यादा होते हैं जबकि भारत के याचिकाकर्ता सिर्फ 100 आकार के बेयरिंग्स का निर्माण करते हैं। वर्तमान जांच में शेष बचे 900 आकार वाले बॉल बेयरिंग्स जिसका भारत में याचिकाकर्ता द्वारा निर्माण नहीं किया जाता है तथा जिसके लिए पाटन का आरोप नहीं है तथा न ही कोई कारणात्मक संबंध है, को शामिल करना युक्तिपूर्वक नहीं है।
- (ii) निर्दिष्ट प्राधिकारी यह पाते हैं कि चीन के निर्यातकों द्वारा भारत में संबद्ध वस्तुओं के निर्यात का 87.89: 6201, 6202, 6203 तथा 6204 प्रकार के हैं। एक बार पुनः, घरेलू उद्योग द्वारा भारत में बनाए तथा बेचे गए सभी प्रकार के बेयरिंग के कारण समग्र आर्थिक मानदण्डों को निर्दिष्ट प्राधिकारी ने सही पाया तथा केवल 6201, 6202, 6203 तथा 6204 प्रकार के मामलों में ही कुछ मानदण्डों में क्षति पाई। इसलिए केवल 6201, 6202, 6203 तथा 6204 प्रकार के मामलों को ही वर्तमान जांच के दायरे में शामिल किया जा सकता है और 10 मिमी. से 50 मिमी. बोर आकार के

घरे के अन्य प्रकार के बॉल बियरिंगों को शामिल करना उचित नहीं है। यहां तक कि (6201-6204) आकार के उक्त चार किस्मों से, यदि कोई क्षति हो रही है, तो वह सीमित है और 6201 तथा 6202 किस्मों के उत्पादन व बिक्री में गिरावट के संबंध में वह पिछले वर्ष तथा आधार वर्ष दोनों से जांचावधि की तुलना में सतही तौर पर है।

- (iii) 10 मिमी. से 50 मिमी. की धुंखला में सभी प्रकार के बॉल बियरिंगों पर क्षति उसी प्रकार की अथवा तुलनीय नहीं हो सकती।
- (iv) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने अपने प्रारंभिक जांच परिणामों के अनुसरण में यह पाया कि याचिकाकर्ता ने किसी प्रकार के पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश के लिए बॉल बियरिंगों के भागों और अंशों को कवर करने के लिए अपने दावों के समर्थन में पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किए हैं। तथापि, निर्दिष्ट प्राधिकारी ने वर्तमान जांच के दायरे में बॉल बियरिंगों के भागों और अंशों को शामिल करना जारी रखा जो कि उनके अपने परिणामों के विरुद्ध है।
- (v) यह भी स्पष्ट नहीं है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा की गणना करने के लिए जिन डीजीसीआई एंड एस के आंकड़ों पर विश्वास किया गया है, क्या उसमें बॉल बियरिंगों के भाग और अंश भी शामिल है।
- (vi) चीन में टे के द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु स्थानीय उत्पादित अथवा खरीदे गये क्रोम बेयरिंग स्टील से बना है तथा भारत को निर्यातित चीन के बेयरिंग सामान्य प्रकार के बेयरिंग हैं जो एस के एफ और/अथवा एफ ए जी द्वारा उत्पादित बेयरिंग से भिन्न है तथा इन्हें भारत में पूरी तरह विभिन्न बाजार खंडों में बेचा जाता है। एस के एफ के मामले में, कीमत की वृद्धि कच्ची सामग्र के आयात से स्वीडन के अपने संबंधित निर्यातक से बढ़े हुए कीमत पर स्थानान्तरण के कारण हुआ है।
- (vii) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने यह मानने में भूल की है कि संबद्ध देशों से आयातित बॉल बेयरिंग को घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित बॉल बेयरिंग के समान वस्तु माना जाए।

- (viii) वर्तमान जांच की सीमा को बढ़ाया गया है तथा यह समान वस्तु तक सीमित नहीं है जैसा कि नियमावली के अधीन आवश्यक है। संबद्ध वस्तुओं को असमान वस्तुओं के साथ तुलना करने पर किसी निष्कर्ष पर पहुँचना नियम के विपरित होगा।
- (ix) चूँकि समान वस्तु नहीं है और चूँकि याचिकाकर्ता द्वारा भारत में उत्पादित तथा बेचे जाने वाले संबद्ध वस्तु समान वस्तु की पात्रता को पूरा नहीं करते हैं, याचिकाकर्ता नियमावली के अधीन यथा आवश्यक घरेलू उद्योग भी पात्रता शर्त को पूरा नहीं कर सकता है और इस प्रकार वर्तमान जांच को सिरे से अस्वीकार कर देना चाहिए।

8.3 इंडियन फैन मैनुफैक्चर्स एसोसिएशन (आई एफ एम ए) के विचार:

- i. याचिका का उत्पाद बाल बेयरिंग तथा इसके संघटक है, जबकि जांच में केवल बॉल बेयरिंग को लिया गया है। संघटकों के लिए कोई विश्लेषण नहीं किया गया है तथा संघटक विनिर्माताओं को प्रश्नावली नहीं भेजा गया है।
- ii. घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराये गये सूचना के आधार पर बॉल बेयरिंग्स तथा रॉलर मैनुफैक्चर्स एसोसिएशन (बी आर बी एम ए) द्वारा दायर किये गये याचिका में केवल 6201 से 6204 तक के चार आकारों अर्थात् बोर ब्यास 10 मिली मी० से 20 मिली मी० तक को लिया गया है, जबकि इसे 50 मिली मी० बोर ब्यास के सम्पूर्ण आकार पर शुल्क आरोपित किया गया है।
- iii. इंडियन बॉल बेयरिंग मैनुफैक्चर्स 8 से 50 मिली मी बेयरिंग के 100 प्रकार से ज्यादा बेयरिंग का विनिर्माण नहीं कर रहा है जबकि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत में कार्यरत एम एन सी कंपनियाँ 1000 आकार, संख्या तथा प्रकार के बेयरिंग का विनिर्माण कर रहे हैं। पाटनरोधी शुल्क को केवल चार आकार के बॉल बेयरिंग के आधार पर आरोपित किया गया है जो कि पूर्णतः स्वैच्छिक तथा नियम के प्रतिकूल है।

- iv. यहाँ तक कि घरेलू बॉल बेयरिंग मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन ने निर्दिष्ट प्राधिकारी के सामने अपने तर्क में इस तथ्य को स्वीकार किया है। एफ ए जी तथा एस के एफ के द्वारा उत्पादित बेयरिंग ए बी ई सी - 3 है जबकि चीन के विनिर्माता ए बी ई सी - 1 विवरण का उपयोग करते हैं।
- v. कीमत, ग्रेड तथा विवरण के मद में बेयरिंग के उत्पादन में याचिकाकर्ताओं द्वारा क्षरा उपयोग किये गये सामग्री चीन के उत्पादकों द्वारा उपयोग किये गये सामग्री से काफी असमानता है। यद्यपि फैन इंडस्ट्री याचिकाकर्ताओं द्वारा उत्पादित बेयरिंग तथा चीन से आयातित बेयरिंग में समान संख्या के बियरिंग का उपयोग करते हैं, यह तथ्य निकलता है कि फैन इंडस्ट्री को याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित अत्यधिक मिलावटी तथा अत्यधिक मूल्य के बियरिंग की आवश्यकता नहीं होती है। विगत में फैन इंडस्ट्री को घरेलू उत्पादित बेयरिंग को उपयोग करने के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं था क्योंकि यह सीमाशुल्क की उच्च स्तर के साथ प्रतिबंधित श्रेणी के अंतर्गत था। अब चूंकि फैन इंडस्ट्री समान संख्या में बेयरिंग का उपयोग करता है, इस आधार पर यह नहीं कहा जा सकता है कि जांच के अधीन वस्तु तथा याचिकाकर्ताओं द्वारा उत्पादित उत्पाद समान उत्पाद है।

8.4 प्राधिकारी द्वारा जांच

(i) विचाराधीन उत्पाद

प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद तथा समान वस्तु के मुद्दों पर विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा व्यक्त विचारों पर ध्यान दिया है। शामिल उत्पाद के वर्णन में हिस्सों और घटकों को शामिल करने का जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना के शामिल उत्पाद शीर्ष के पैरा 2 में स्पष्ट रूप से वर्णन किया गया है। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने स्पष्ट रूप से कहा है कि “ विचाराधीन उत्पाद में घर्षणरोधी बियरिंग जिनमें घूर्णन तत्व के रूप में बाल्स का प्रयोग किया जाता है के रूप में बॉल बेयरिंग एवं उनके हिस्से शामिल हैं चाहे माउटेड हो या अनमाउटेड जब तक ये

संदर्भाधीन आयात बाल बेयरिंग के आयातों का घटक है। घर्षण रोधी बाल्स बेयरिंगों के आंतरिक और बाह्य रेसेस और घटक विचाराधीन उत्पाद के दायरे में आते हैं।” विवरण में हिस्सों और घटकों का उत्पाद की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए शामिल किया गया है। पाटनरोधी शुल्क से बचने के लिए अलग-अलग आयातित हिस्से एवं पुर्जों को संयोजित करके ऐ पूरी बियरिंग बनाई जा सकती है। इस मामले में जांच के शुरूआती स्तर पर भी जांचाधीन उत्पाद मुख्य रूप से 50 मिमी बोर व्यास वाली बाल बेयरिंग थी। प्राधिकारी विचाराधीन उत्पाद के मुद्दे पर प्रारंभिक जांच परिणामों का स्मरण करते हैं। प्राधिकारी ने प्रारंभिक जांच परिणामों में 8 मिमी से अधिक और 50 मिमी० बोर व्यास तक के बाल बेयरिंग माडलों/प्रकारों के संबंध में सिफारिश करना उचित समझा था। प्राधिकारी प्रारंभिक जांच परिणामों की पुष्टि करते हैं और उन्होंने 8 मिमी से अधिक और 50 मिमी बोर व्यास वाले बाल बियरिंग को विचाराधीन उत्पाद माना है।

(ii) समान वस्तु

प्राधिकारी ने समान वस्तु के मुद्दे पर विभिन्न तर्क पर विचार किया है। प्राधिकारी इस मुद्दे पर प्रारंभिक जांच परिणामों को याद करते हैं। जहां तक उपयोग करने का संबंध है निर्यातक द्वारा विभिन्न विशेषताओं के किसी कच्ची सामग्री के उपयोग से तैयार उत्पाद अर्थात् बॉल बेयरिंग में अंतर नहीं होता है। सस्ती कच्ची सामग्री के उपयोग करने से तैयार उत्पाद सस्ता हो तथा प्रयोक्ता के लिए लागत प्रभाव होगी। प्रयोक्ता या तो सस्ती आयातित उत्पाद अथवा कुछ हद तक मंहगी घरेलू उत्पादित उत्पाद का उपयोग कर सकता है। तथापि, दोनों वाणिज्यिक प्रतिस्थापनीय है। यह एक माना हुआ तथ्य है कि फैब्रिक्ड इंडस्ट्री बॉल बेयरिंग का उपयोग कर रहे थे तथा यह अब आयातित बॉल बेयरिंग की ओर काफी हद तक झुका है। इसी प्रकार पम्पों तथा दूसरे आद्योगिक खण्डों के दूसरे प्रयोक्ता घरेलू उत्पादित बॉल बेयरिंग के साथ-साथ आयातित बॉल बेयरिंग का प्रयोग करते हैं। यह तर्क दिया गया है कि प्राधिकारी ने वर्तमान जांच के अधीन विभिन्न प्रकार के बॉल बेयरिंग को गलत रूप से शामिल किया गया है। जिसका याचिकाकर्ता द्वारा भारत में विनिर्मान भी नहीं किया जाता है। विचाराधीन उत्पाद 8 मिली मी से उपर तथा 50 मिली मी तक की आंतरिक व्यास वाले बॉल बेयरिंग है। घरेलू उद्योग 8 मिली मी से उपर तथा 50 मिली मी तक की आंतरिक व्यास वाले बॉल बेयरिंग का उत्पादन करता है। शामिल किये गये उत्पाद के गुण को ध्यान में रखते

हुए उत्पाद वर्गीकरण के अंतर्गत अनेक मॉडल/प्रकार के बेयरिंग का उत्पादन किया जा सकता है। जबतक घरेलू उद्योग 8 मिली मी से उपर तथा 50 मिली मी तक की आंतरिक व्यास वाले बॉल बेयरिंग का उत्पादन करता है, विचाराधीन उत्पाद को घरेलू उत्पादित बॉल बेयरिंग के समान वस्तु माना जाएगा। प्राधिकारी यह मानते हैं कि संबद्ध वस्तु अर्थात् 8 मिली मी से उपर तथा 50 मिली मी बोर व्यास वाले बॉल बेयरिंग को घरेलू उत्पादित बॉल बेयरिंग समान वस्तु माना है।

9. घरेलू उद्योग

9.1 एक आयातक मै0 पोलर इंडस्ट्रीज लि0 ने माननीय उच्च न्यायालय मुंबई के पास एक लिखित याचिका 3018/2003 दायर की है जिसमें अन्य बातों के साथ - साथ नियमावली 5 (3) के अंतर्गत आवश्यक घरेलू उद्योग की स्थिति के संबंध में जहां तक बॉल बेयरिंग के पुर्जों तथा संघटकों का संबंध है प्राधिकारी के दृष्टिकोण पर दावा किया गया है। उन्होंने कुछ घरेलू उत्पादकों को चीन तथा कोरिया गणराज्य में निर्यातकों से संबंधित होने के मुद्दों को भी उठाया है। इसी प्रकार के तर्क आई एफ एम ए द्वारा भी दिए गए हैं।

9.2 प्राधिकारी ने इस संबंध में तर्क की जांच की है। विचाराधीन उत्पाद के वर्गीकरण में बॉल बेयरिंग तथा इसके पुर्जों तथा संघटक (50 मिली मी0 बोर व्यास तक) है। दिनांक 21.09.2002 की प्रारंभिक अधिसूचना से यह देखा जा सकता है कि प्राधिकारी ने अन्य बातों के साथ साथ शामिल उत्पाद का उल्लेख नियमानुसार है:-

“ विचाराधीन उत्पाद में घर्षणरोधी बियरिंग जिनमें घूर्णन तत्व के रूप में बाल्स का प्रयोग किया जाता है के रूप में बॉल बेयरिंग एवं उनके हिस्से शामिल हैं चाहे माउटेड हो या अनमाउटेड जब तक ये संदर्भाधीन आयात बाल बेयरिंग के आयातों का घटक हैं। घर्षण रोधी बाल्स बेयरिंगों के आंतरिक और बाह्य रेसेस और घटक विचाराधीन उत्पाद के दायरे में आते हैं।” (जिसे बाद में संबद्ध वस्तु कहा गया)

9.3 मै0 एफ ए जी बेयरिंग्स इंडिया लि0, वदोदरा मै0 एन आर बी बेयरिंग्स लि0 मुम्बई, मै0 इस के एफ बेयरिंग्स इंडिया लि0 मुम्बई, मै0 नेशनल इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज लि0 जयपूर,

मै0 टाटा आयरन एंड स्टील कंपनी लि0 (बेयरिंग प्रभाग) खड़गपुर ने याचिका दायर की थी। इन घरेलू उत्पादकों का हिस्सा बॉल बेयरिंग के घरेलू उत्पादन का 81.5% बनता है। और इस प्रकार उपरोक्त नियमावली के नियम 5(3)(क) के रूप में घरेलू उद्योग की स्थिति के संबंध में याचिका दायर करने की पात्रता से याचिकाकर्ता संतुष्ट थे। प्रारंभिक अधिसूचना के पैरा - 2 में शामिल उत्पाद शीर्ष के अंतर्गत शामिल उत्पाद के वर्गीकरण में पुर्जों तथा संघटकों के शामिल करने की स्पष्ट व्याख्या की गई है। मुख्य रूप से इस मामले में विचाराधीन उत्पाद 50 मिली मी0 आंतरिक व्यास वाले शामिल करने के संबंध में उत्पाद की गुणवत्ता को ध्यान में रखा गया है। अलग-अलग आयात हुए पुर्जों तथा संघटकों को पाटनरोधी शुल्क लगाने के उद्देश्य से पूरी बेयरिंग बनाने के लिए एकत्रित किया जा सकता है। इसलिए, निर्दिष्ट प्राधिकारी को याचिकाकर्ताओं की स्थिति बॉल बेयरिंग्स के उत्पादक के रूप में संतुष्ट करने की आवश्यकता थी न कि पुर्जे तथा संघटक के उत्पाद के रूप में दिनांक 6.5. 2003 की प्रारंभिक जांच परिणामों में प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद के संबंध में पैरा 15 में जांच की है। प्रारंभिक जांच परिणामों के पैरा 59 में अंतर्गत प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद के समग्र सीमा के लिए 8 मिली मी0 से उपर तथा 50 मिली मी0 बोर व्यास वाले सभी मॉडलों/प्रकार के बॉल बेयरिंग्स की अनुशंसा की है। प्राधिकारी ने बॉल बेयरिंग्स के पुर्जों तथा संघटकों के आयात पर पाटनरोधी शुल्क आरोपित करने की अनुशंसा नहीं की है। अतः इस आधार पर आयातक को विवाद आधारहीन तथा न्याय से परे है।

9.4 कुछ हितबद्ध पार्टियों के इस तर्क के संबंध में कि कुछ घरेलू उत्पादक या तो निर्यातकों एवं आयातकों से संबंधित है अथवा वे स्वयं आयातक है, प्राधिकारी ने इस तर्क की जांच इस प्रकार की है:-

पाटनरोधी नियमावली के नियम 2 (ख) में घरेलू उद्योग की परिभाषा इस प्रकार की गई है।

“2. (ख) घरेलू उद्योग का अभिप्राय समान वस्तु के विनिर्मान में पूरी तरह लगे अथवा किसी क्रियाकलाप में लगे हैं अथवा उनका कथित वस्तु का समग्र उत्पादन उस वस्तु के कुल घरेलू उत्पादक का एक बड़ा हिस्सा बनता है जो घरेलू उत्पादन से है। उस स्थिति में जब

उत्पादक कथित पाटित के निर्यातक अथवा आयातक से संबंधित हो अथवा उस मामले में (वैसे उत्पादक आवश्यक समझा जाय) वे स्वयं आयातक हो, घरेलू उद्योग का हिस्सा नहीं बनते हैं।”

नियम 2 (ख) की व्याख्या इस प्रकार की गई है:-

“ व्याख्या (इस उपबंध के प्रयोजनार्थ)

(i) उत्पादकों को निर्यातकों अथवा आयातकों को संबंधित माना जाएगा केवल तब

(क) दोनों में से एक प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से दूसरे को नियंत्रित करते हैं;
अथवा

(ख) दोनों प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से एक तीसरे व्यक्ति द्वारा नियंत्रित होते हैं;
अथवा

(ग) दोनों एक साथ प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से तीसरे व्यक्ति को इस शर्त पर नियंत्रित करते हैं कि यह विश्वास करने अथवा संदेह करने के आधार पर के संबंध का प्रभाव ऐसा है कि असंबंधित उत्पादकों से उत्पादकों का व्यवहार भिन्न है।

(घ) एक उत्पादक का दूसरे उत्पादक को नियंत्रित करना समझा जाएगा जब पहला उत्पादक कानूनी रूप से अधःन कृत्यात्मक रूप से दूसरे उत्पादक पर प्रतिबंध लगाने की स्थिति में हो।

9.5 आवेदन के समय आवेदकों को आवेदन में यह सूचना देना अपेक्षित होता है कि क्या कोई याचिकाकर्ता कथित पाटित वस्तुओं के निर्यातकों अथवा आयातकों से संबंधित है और यदि ऐसा है तो ऐसे संबंध की प्रकृति क्या है। आवेदकों ने निर्यातकों/आयातकों से अपने संबंध के बारे में आवेदन में प्रमाणपत्र दिया है। उन्होंने यह भी प्रमाण पत्र दिया है कि वे मै0 नेशनल इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज लि0 को छोड़कर संबद्ध देशों से संबद्ध उत्पाद का आयात किया

था। मै0 नेशनल इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज लि0, जयपूर (एन ई आई) के मामले में, उन्होंने जांच अवधि के दौरान 4000 बॉल बेयरिंग का आयात किया था जो उनके कुल उत्पादन की तुलना में नगन्य माना जा सकता था या यह अनुभव किया गया कि नियम 2 (ख) के उपबंधों को ध्यान में रखते हुए इसे घरेलू उद्योग के एक भाग के रूप में नहीं रखने का एक कारण नहीं हो सकता है। आवेदन प्रपत्र के आवेदक द्वारा किये गये आयात तथा निर्यातक/आयातक के साथ उनके संबंध यदि कोई हो के संबंध में किसी प्रकार के प्रमाणपत्र का स्थान नहीं है। याचिका की जांच के समय प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की स्थिति तथा घरेलू उत्पादकों के निर्यातक/आयातक के साथ संबंध यदि कोई हो तथा घरेलू उत्पादकों के कथित पाटित वस्तुओं के स्वयं आयातक होने के बारे में स्वयं संतुष्ट हो चुके थे। घरेलू उद्योग द्वारा किये गये आवेदन की जांच करने पर, निर्दिष्ट प्राधिकारी ने त्रुटि को सूचित करते हुए एक त्रुटि पत्र जारी की जिसके अन्य बातों के साथ याचिकाकर्ता द्वारा किये गये आयात यदि कोई हो के बारे में सूचना मांगा गया। आवेदकों ने इस संबंध में अपने प्रमाण पत्र दिये थे जो कि प्रस्तुत किये गये आवेदन का एक भाग है।

9.6 वर्तमान मामले में, कल्पनाओं और वक्तव्यों को छोड़कर न तो आयातकों या उनकी एसोसिएशन या किसी अन्य हितबद्ध पार्टी ने कोई विश्वसनीय साक्ष्य प्रस्तुत किया है और न ही माननीय बम्बई उच्च न्यायालय के समक्ष दायर लिखित याचिका में कोई साक्ष्य प्रस्तुत किया है जिसमें याचिकाकर्ता कंपनी को बाहर रखने को न्यायसंगत ठहराया गया हो। आयातकों के तर्कों में जिन पांच आयातकों को बाहर रखने की मांग की गई है, उनकी स्थिति निम्नानुसार है:-

अ) एम के एफ के संदर्भ में एक स्पष्ट वक्तव्य है कि एम के एफ, चीन एक निर्यातक है। किन्तु न तो प्रार्थी एवं ना ही किसी अन्य हितबद्ध पार्टी द्वारा निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष एम के एफ, चीन द्वारा निर्यात किए जाने का संदर्भ लाया गया है। जांच अवधि में निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास उपलब्ध आंकड़ों को देखने पर एम के एफ समुह कंपनी, चीन द्वारा भारत को किए गए निर्यात का कोई पाटन नहीं मिला। विशिष्ट रूप से ऐसा करने को कहे जाने

पर ना तो निर्यातक ना ही आई एफ एम ए, एस के एफ समूह कंपनी चीन द्वारा निर्यात किए जाने का उदाहरण प्रस्तुत किया जा सका। मै0 एस के एफ बेयरिंग इं0 लि0 भारत ने अपने पत्र दिनांक 20.02.2004 के द्वारा सूचित किया है कि मै0 डालियान एम.के.एफ वाइब्रो बेयरिंग कं0 लि0, लायनिंग, चीन, एस के एफ समूह कोल स्फटिक रोलर वियरिंग का एक संयुक्त उपक्रम है न की बॉल बेयरिंग का, न तो जांच के समय एवं न ही वर्तमान में। एस के एफ समूह का निम्नलिखित तीन अन्य संयुक्त उपक्रम चीन में है:-

- (i) बीजिंग नानकाउ एस के एफ रेलवे बेयरिंग कं0 लि0 बीजिंग - रेलवे एक्सेल बॉक्स बेयरिंग के निर्माणार्थ।
- (ii) अनहुई सी आर सीलन कम्पनी लि0, अनहुई प्रान्त- रबर सीलों के निर्माणार्थ।
- (iii) एस के एफ संघाई बेयरिंग कं0 लि0, संघाई - बॉल बेयरिंग के निर्माणार्थ। इस कंपनी की स्थापना 2002 में हुई थी जबकि इसमें उत्पादन नवम्बर 2003 से प्रारम्भ हुआ।

उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया है कि उपरोक्त कंपनियों में से कोई भी कंपनी कभी भी भारतीय बाजार में बॉल बेयरिंग के पाटन रोधी में शामिल नहीं था।

(ब) एस ए जी के संदर्भ में यहाँ तक कि विचारार्थ उत्पादन को उत्पादकन ने चीन में निर्यात किया है। अतः दावा नियम 2 (ब) के समर्थन में नहीं है। मै0 एफ ए जी भारत ने अपने पत्र दिनांक 18.2.2004 के द्वारा सूचित किया है कि जांच के प्रारंभिक अवस्था में दिए गए दिनांक 2.7.2002 के अपने पूर्व के प्रमाण पत्र को पुनः दोहराते हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने यह भी सूचित किया कि :-

- (i) उनकी कंपनी ने प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष किसी भी रूप स न ही चीन, पोलैण्ड, रोमानिया एवं रूस में किसी माध्यम के द्वारा बॉल बेयरिंग का आयात किया है।
- (ii) उनका मुख्य कंपनी एफ ए जी कुगेल फिशत ए जी जो जर्मनी में है, की दो कंपनियों चीन में है।

(iii) चीन की एक कंपनी रेलवे प्रयोग के लिए टारोल बेयरिंग बनाता है। यह कंपनी बॉल बेयरिंग का उत्पादन नहीं करता है अतः संदर्भ उत्पाद की श्रेणी में नहीं आता है।

(iv) चीन में अन्य कंपनियों कार, ट्रैक्टर आदि के लिए ऑटोमोटिव बेयरिंग बनाता है। इस कंपनी का उत्पाद केवल चीन में ही बेचा जाता है, भारत में निर्यात नहीं किया जाता है।

(स) एन आर बी के संदर्भ में बॉल बेयरिंग स्वयं यह दावा है कि कंपनी ने बॉल बेयरिंग के कलपुर्जों का निर्यात किया है। याचिकाकर्ता का यह दावा नहीं है कि मै0 एन आर बी ने बॉल बेयरिंग का निर्यात किया है। जबकि बॉल बेयरिंग उत्पाद का पाटन किया जा रहा है। घरेलू उत्पादक द्वारा बॉल बेयरिंग के उत्पादित कल पुर्जों का आयात उन्हें घरेलू उद्योग में से पाटित नहीं करता है।

(द) एन ई आई के संदर्भ में कंपनी द्वारा स्पष्ट स्वीकृति है कि प्रारंभिक अवस्था में दिशिष्ट उद्देश्य से उसने बॉल बेयरिंग का आयात किया था। निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा यह पया गया कि चीन से किया गया आयात एन ई आई के उत्पादन का 0.0035 प्रतिशत है। इन आयातों को निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा महत्वपूर्ण माना गया।

(प) टिस्को के संदर्भ में, घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों का निर्दिष्ट प्राधिकारी जांच करने पर पाया गया कि संबद्ध कंपनी के द्वारा किए गए आयात महत्वपूर्ण नहीं थे (लगभग 8072) तथा यह आयात उद्धृत देशों से नहीं किए गए। अतः टाटा समुह की कुछ कंपनियों द्वारा अन्य श्रोतों से किए गए आयात के आधार पर टिस्को (बॉल बेयरिंग) को घरेलू उद्योग होने से वारित नहीं किया जा सकता।

9.7 इस संदर्भ में यह भी कथनीय है कि केवल इस तथ्य पर कि कुछ घरेलू उत्पादक आयातक अथवा निर्यातक संबंधित है अथवा स्वयं कथित पाटनरोधी वस्तुओं का आयातक है उन्हें नियम 2 (b) के तहत घरेलू उद्योग की परिभाषा के आधार पर घरेलू उद्योग से

निष्कासित नहीं किया जा सकता है। इस विषय में निर्दिष्ट प्राधिकारी को विवेकाधिकार है कि वह किसी मामले में तथ्य एवं परिस्थितियों के आधार पर घरेलू उत्पादक को घरेलू उद्योग की श्रेणी में शामिल किया जाए अथवा निष्कासित किया जाए। इस मामले में उपलब्ध तथ्य यह सूचित नहीं करता है कि बॉल बेयरिंग का एस के एफ और एफ ए जी कंपनी से भारत में आयात किया गया है।

10. आवश्यक सूचनाओं की अनुपलब्धता

आई एफ एम ए ने उपयुक्त सूचनाओं की अनुपलब्धता का मामला भी अगोपनीय याचिका में उठाता है। प्राधिकारी द्वारा मॉडल से मॉडल के अधिकार पर की गई तुलना एवं अन्य विवरणों को आई एफ एम ए ने तर्क दिया है कि अन्य इच्छुक पार्टी द्वारा दिए गए तथ्यों को उन्हें उपलब्ध नहीं करा गया। प्राधिकारी ने आई एफ एम ए को दिनांक 16 जनवरी, 2004 को एक विस्तृत पत्र जारी किया जिसमें आई एफ एम ए द्वारा उठाए गए मुद्दों का स्पष्टीकरण किया गया। ऐसा करते समय प्राधिकारी ने उन्हें यह भी सलाह दी कि वे सार्वजनिक फाईल का निरीक्षण कर लें लेकिन आई एफ एम ए ने सार्वजनिक फाईल का बाद में निरीक्षण नहीं किया। प्राधिकारी ने दिनांक 1.3.2004 को विस्तृत खुलासे भी किए जिनमें जांच के सभी प्रमुख मुद्दों अर्थात् जांच अवधि, घरेलू निर्यात कीमत, पाटन, क्षति तथा कारणात्मक संबंध के बारे में आवश्यक तथ्य निहित थे, इस प्रकार प्राधिकारी को इस आधार पर आई एफ एम ए की दलील अतर्कसंगत मालूम होती है।

प्राधिकारी यह भी नोट करने को बाध्य है कि इंडियन फेन मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन के किसी भी सदस्य ने प्राधिकारी के साथ घरेलू तथा विदेशी उत्पादकों से बाल बियरिंग के अपने अपने संसाधनों संबंधी जानकारी प्रस्तुत नहीं करके सहयोग नहीं किया। प्राधिकारी ने आई एफ एम ए में भी विचार करते समय विश्वास पर कार्य किया और ऐसा इस विश्वास पर किया गया कि आई एफ एम ए पंखा निर्यातकों का प्रतिनिधित्व करता है, किन्तु, आई एफ एम ए नियम 2(ग) के आशय के भीतर एक “एक इच्छुक पक्षकार” के रूप में अपनी भूमिका साबित नहीं कर सकी। इस नियम में यह अपेक्षा है कि किसी एसोसिएशन के मामले

में उसके अधिकांश सदस्य जांच के अधीन वस्तु के आयातक हों। एक आयातक होने का दावा करने वाले मै0 पालेर इण्डस्ट्रीज लि0 ने भी प्रश्नावली के बारे में जानकारी नहीं दी जिससे प्राधिकारी को अपने निष्कर्ष देने में सहायता मिलती।

ग. पाटन तथा सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमतों के संबंध में किए गए दावों की जाँच

सामान्य मूल्य

11. सीमाशुल्क टैरिफ (संशोधन) अधिनियम, 1995 की धारा 9क (ग) के तहत किसी वस्तु के सामान्य मूल्य का अर्थ है:

(i) उप-धारा (6) के तहत बनाये गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश अथवा क्षेत्र में उपभोग हेतु समान वस्तु की व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में हेतु यथा निर्धारित तुलनीय कीमत; अथवा

(ii) जब निर्यातक देश अथवा क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की कोई बिक्रिया नहीं होती है, अथवा जब निर्यातक देश अथवा क्षेत्र में बाजार की खास स्थिति अथवा कम बिक्री के कारण, ऐसी बिक्रियां उचित तुलना की अनुमति नहीं देती है, तो सामान्य मूल्य या तो

(क) उप-धारा (6) के तहत बनाये गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश अथवा क्षेत्र या किसी उपयुक्त तीसरे देश से निर्यातित समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत होगी, अथवा

(ख) उप-धारा (6) के तहत बनाये गए नियमों के अनुसार प्रशासनिक, बिक्री तथा सामान्य लागतों, तथा लाभ हेतु उचित वर्धन सहित उद्गम के देश में कथित वस्तु का उत्पादन लागत होगा।

12. चीन जनवादी गणराज्य के संबंध में सामान्य मूल्य :

चीन के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों से एक संयुक्त उत्तर प्राप्त हुआ है:

हुआनयी बियरिंग ग्रुप कं0 लि0, चीन

निगबो हुआन्यी इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं० लि०, चीन,

निगबो टेकी बियरिंग कं० लि०, चीन

उपर्युक्त उत्पादक/निर्यातक घरेलू बिक्रियों, भारत को निर्यात, बिक्री कीमत संरचना तथा उत्पादन लागत के ब्यौरे देते हुए भी प्रश्नावली का जवाब प्रस्तुत किया है। निर्यातक ने उत्पादित/बिक्री की गई बॉल बियरिंगों के 646 मॉडल के बारे में जानकारी उपलब्ध कराई है। उन्होंने जांच अवधि के दौरान जांच के अंतर्गत आने वाले बॉल बियरिंगों के लगभग 145 मॉडलों का भारत को निर्यात किया।

13. याचिकाकर्ताओं ने दावा किया है कि चीन तथा रूस गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश हैं। पिछले तीन वर्षों में चीन तथा रूस को यूरोपीय आयोग तथा अमेरिका द्वारा गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है। इसलिए, इन देशों के बसंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण दिनांक 4.1.2002 की अधिसूचना द्वारा यथा संशोधित नियमों के अनुबंध-1 के पैरा-7 एवं 8 में यथा अंतर्विष्ट गैर-बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी नियमों के अनुसार किया जाना है। तदनुसार, उन्होंने दावा किया है कि इन देशों में सामान्य मूल्य का निर्धारण बिक्री, सामान्य तथा प्रशासनिक खर्च और लाभ सहित भारत में उत्पादन लागत के अनुमान सहित भारत में उत्पादन लागत के अनुमान के आधार पर किया जा सकता है।

14. चीन के उपर्युक्त उत्पादक/निर्यातकों ने अपने जवाब में बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा किया है। उन्होंने डब्ल्यूटीओ में चीन के शामिल होने के संलेख की धारा 15 के प्रावधानों का भी संदर्भ दिया है। उनके अनुसार, नियमों के अनुबंध-1 के पैरा 8 (2) का परन्तुक, अन्य बातों के साथ-साथ अनुबंध-1 के पैरा 8 के उप-पैरा 3 में निर्दिष्ट मानदंडों के आधार पर निर्यातक को एनएमई की परिकल्पना का खंडन करने का अवसर उपलब्ध कराता है तथा कथित प्रावधानों को कथित प्रोटोकॉल की धारा-15 के प्रावधानों के साथ पढ़ा जाना चाहिए।

15. चीन के निर्यातक ने दावा किया है कि:

(क) कच्ची सामग्री प्रौद्योगिकी तथा श्रम लागत, उत्पादन, बिक्री तथा निवेश समेत कीमत, लागत तथा निवेश के संबंध में प्रतिवादियों तथा चीन में अन्य संबद्ध फार्मों का निर्णय आपूर्ति

तथा मांग प्रतिबिम्बित करते हुए बाजार संकेतों के उत्तर में किए गए हैं तथा निवेश की लागत बाजार मूल्यों को प्रतिबिम्बित करती है। यह प्रस्तुत दस्तावेजों तथा प्रश्नावली के गोपनीय जवाब के साथ प्रतिवादियों द्वारा प्रस्तुत गोपनीय आंकड़ों में दिखाया गया है। यह प्रस्तुत किया गया है कि न तो लागतों अथवा चीन में इन निवेशों की कीमतों का कोई राज्य विनियमन है न ही “लागू कीमतों” की कोई प्रणाली है।

(ख) उत्पादन लागत तथा वित्तीय स्थिति का कोई निरूपण नहीं है क्योंकि प्रातिवादी पूर्णतया निजी कम्पनियां हैं जैसाकि प्रश्नावली का जवाब तथा संलग्न गोपनीय सूचना में वर्णित है और इसके अलावा प्रतिवादियों ने पूर्ववर्ती राज्य परिसम्पत्तियों को रूपांतरित नहीं किया है, अथवा उसके अवमूल्यन का निरूपण नहीं किया है, अथवा परस्पर परिवर्तन के व्यापार अथवा कर्ज माफी अथवा कर्ज/इक्विटी परिवर्तन में शामिल नहीं है, अथवा बट्टे खाते में डालने का कोई लाभ प्राप्त नहीं किया है।

(ग) प्रातिवादी क्रमशः दिवालियापन तथा सम्पत्ति के संबंध में चीन के विनियमन के अधीन है। जैसाकि प्रस्तुत दस्तावेजों से स्पष्ट है चीन में समान फर्मों के दिवालियापन की संख्या है।

(घ) भारत की तरह विनियम दर सेंट्रल बैंक द्वारा यथा निर्धारित बाजार दर पर आधारित होती है जैसाकि कथित गोपनीय प्रश्नावली के जवाब के साथ प्रस्तुत गोपनीय आंकड़ों में दिखाया गया है।

उन्होंने दावा किया है कि संबद्ध वस्तु का सामान्य मूल्य जांच अवधि के दौरान चीन में संबद्ध वस्तुओं की घरेलू बिक्री कीमत के अनुसार निर्धारित किया जा सकता है। चीन के निर्यातक/उत्पादक ने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार के अपने दावे के समर्थन में दस्तावेज भी प्रस्तुत किये हैं:-

16. जहां तक चीन गणराज्य के निर्यातकों के संबंध में सामान्य मूल्य के निर्धारण का संबंध में, प्राधिकारी प्रारंभिक निष्कर्षों का स्मरण दिलाता है, तथापि, प्राधिकारी ने पाया था कि पैराग्राफ-8 के उप-पैरा (3) में विनिर्दिष्ट मानदण्डों के आधार पर पर्याप्त साक्ष्य तथा जानकारी

प्रस्तुत नहीं की गई थी। प्राधिकारी ने नोट किया कि उत्पादक/निर्यातकों ने चीन के पंजीयन, गठन, क़य, बीजकों, लेखापरीक्षा तथा लेखा कानून के संबंध में कुछ दस्तावेज प्रस्तुत किए हैं। किन्तु, ये दस्तावेज उप-पैरा 3(क) के तहत निहित अपेक्षानुसार कम पड़ गए थे अर्थात् कीमतों,, लागतों तथा निविष्टियों, कच्चे माल सहित, प्रौद्योगिकी तथा श्रम-लागत, उत्पादन बिक्रियों तथा पूंजी निवेश के संबंध में ऐसे देश में संबंधित फर्मों के निर्णय पूर्ति तथा मांग स्थिति दर्शाने वाले बाजार संकेतों के प्रत्युत्तर में किया जाता है और वह भी इस संबंध में पर्याप्त सरकारी दखल के बिना और इस बात के साथ कि क्या प्रमुख अन्तर्निविष्टियों की लागतें बाजार मूल्यों को पर्याप्त रूप से प्रतिबिम्बित करती हैं। कुछ क़य-बीजक, पंजीयन प्रमाण पत्र, आदि को मात्र प्रस्तुत करने को यह साबित करने हेतु पर्याप्त साक्ष्य नहीं समझा गया कि उत्पादक/निर्यातक उक्त नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8(3) (क) के आशय के भीतर बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार के पात्र हैं। उप पैरा (3) के तहत निर्धारित मानदण्डों को पूरा करने के उद्देश्य से प्राधिकारी ने उत्पादक/निर्यातक को सलाह दी है कि वे प्रारंभिक जांच परिणामों के पैरा 32 (i) से (XV) तक उल्लिखित दस्तावेज/साक्ष्य प्रस्तुत करें। इसके अलावा कुछ अन्य त्रुटियां प्रारंभिक जांच परिणामों के पैरा 33(i) से (vi) में उल्लिखित जानकारी/दस्तावेज प्रस्तुत कर दिए हैं।

17. प्राधिकारी ने चीन के निर्यातकों/उत्पादकों द्वारा प्रस्तुति जानकारी/दस्तावेजों की मौके पर पड़ताल भी की है। सत्यापन के एक भाग के रूप में सत्यापन दल ने चीन जनवादी गणराज्य के वाणिज्य मंत्रालय, बीजिंग में माफकांग के अधिकारियों के साथ चर्चा भी की।

17.1 जहां तक इस प्रश्न का संबंध में कि संबंधित उत्पाद के विनिर्माण हेतु कच्चे माल तथा अन्य संगत अंतर्निविष्टियों की खरीद किस प्रकार की जाती है और सरकारी अथवा स्थानीय/क्षेत्रीय प्राधिकारी कितना हस्तक्षेप होता है, चीन के अधिकारियों ने सूचित किया कि संबद्ध उत्पादों के उत्पादकों ने विनिर्माण हेतु कच्चे माल तथा अन्य संगत अन्तर्निविष्टियों की खरीद मांग तथा पूर्ति द्वारा निर्धारित बाजार कीमतों के आधार पर खुले बाजार से की।

17.2 श्रम की कीमतों के संबंध में यह सूचित किया गया है कि उद्यम श्रम-लागत का

निर्णय बाजार तथा कर्मचारियों की दक्षता के अनुसा करने हेतु पूर्णतया स्वतंत्र है। कर्मचारियों को उद्यमों के साथ सामूहिक रूप से बातचीत करने के अधिकार प्राप्त हैं। श्रम लागत के लिए कोई उपदान नहीं मिलता है।

17.3 जहां तक बिजली तथा पानी जैसे जनोपयोगी सेवाओं का संबंध है, यह सूचना दी गई कि इनका मार्गदर्शन बाजार पर मांग तथा पूर्ति स्थिति के अनुसार सरकार द्वारा किया जाता है। अन्य विकसित तथा विकासशील देशों में भी समरूप विनियामक ढांचा अथवा मार्गदर्शी सिद्धांत है।

17.4 संबद्ध उत्पाद के कच्चे माल के संबंध में आयातों पर कोई भी प्रतिबंध नहीं है।

17.5 जहां तक उत्पादन प्रयोजनों के श्रमिकों को संगठित करने का संबंध है संबंधित कम्पनियां इस बारे में निर्णय करती हैं। किन्तु इन कंपनियों को यह सुनिश्चित अवश्य करना चाहिए कि वे अपने-अपने कर्मचारियों को न्यूनतम औसत मजदूरी की गारंटी दें और सरकार अथवा स्थानीय सरकार इन कंपनियों के कर्मचारियों को उपदान नहीं दे। झेजियांग प्रांत के अलग-अलग शहरों में अलग-अलग न्यूनतम औसत मजदूरी स्तर है।

17.6 जहां तक लेखा-दस्तावेजों को पंजीकृत किए जाने का संबंध है, यह जानकारी दी गई कि वित्तीय विवरण पत्रों को कराधान ब्यूरो में प्रस्तुत करना आवश्यक है।

17.7 जहां तक उद्यमों को वाणिज्यिक ऋणों और इस बात का संबंध है कि क्या कंपनियां विशेष ऋणों अथवा उपदान स्कीमों से लाभ उठाती है, यह जानकारी दी गई कि इस जांच में शामिल उद्यमों को कोई उपदान नहीं दिया जाता है। उद्यमों को ऋणों की ब्याज दर का निर्धारण उद्यमों तथा बैंक के बीच होने वाली बातचीत द्वारा किया जाता है।

17.8 जहां तक दिवालियापन कानून का संबंध है, उद्यमों के संचालन संबंधी मुख्यतया दो कानून हैं, एक तो चीन जन.गण. का दिवालिया दिवालियापन कानून और दूसरा चीन जन. गण. के सिविल प्रक्रिया कानून में शामिल किया गया एक अध्याय है, इस जांच में शामिल संबद्ध कंपनियों पर दूसरा कानून लागू होता है।

17.9 जहां तक कंपनियों की लाभ वितरण नीति और आयकर नीति का संबंध है, कंपनी विशेष यह निर्णय कर सकती है कि वे अपने लाभ का वितरण किस प्रकार करें, किंतु, अलग-अलग उद्यमों के लाभ-वितरण के मामले में सरकार हस्तक्षेप नहीं करती है।

17.10 जहां तक भूमि लागत का संबंध है, उद्यम भूमि सरकार से खरीदते हैं। सामान्यतया, यह नीलामी द्वारा अथवा यह तय करके होता है कि भूमि की कीमत निर्धारण

बाजार में किया गया है। भूमि की कीमत का निर्धारण बाजार मूल्य के अनुसार किया जाता है। अन्य विधि में, सरकार बाजार कारकों के आधार पर उद्यमों को भूमि स्टूटें शुल्क पर पट्टे पर देती है।

17.11 उत्पादक/निर्यातकों प्रत्युत्तर की पड़ताल से ऐसा दिखाई देता है कि निर्यातकों द्वारा संगठित उत्पादन लागत कतिपय लागतों के समायोजनों/पुनर्आबंटन के अध्यधीन उनकी लेखा बहियों के अनुसार होती है। घरेलू तथा निर्यात बिक्रियों संबंधी जानकारी की पड़ताल कंपनी के रिकार्ड के अनुसार की गई।

17.12 अन्तर्देशीय भाड़ा तथा समुद्री भाड़ा के समायोजनों संबंधी जानकारी का सत्यापन किया गया। कंपनी ने घरेलू बिक्री कीमत तथा निर्यात कीमत में समायोजन के प्रयोजनार्थ अन्तर्देशीय समुद्री भाड़े की गणना-विधि के विस्तृत प्रक्रिया प्रस्तुत की, इसकी पड़ताल प्रस्तुत जानकारी से की गई।

17.13 कच्चे माल स्टील पिलेट्स, स्टील बाल्स, रबड़ सीलों की कय-कीमत का सत्यापन कंपनी के रिकार्ड से किया गया।

17.14 जनोपयोगी सेवाओं अर्थात् कोयला, बिजली, पानी तथा तेल के प्रभारों की पड़ताल की गई, भूमि के स्वामित्व संबंधी दस्तावेजों की पड़ताल मूल रिकार्ड से की गई,

17.15 माफकाम अधिकारियों के साथ हुई चर्चा, के पश्चात् निर्यातक/उत्पादक (एमसीएच) के विभिन्न रिकार्डों की जांच से प्रत्यक्षतः यह बात उभर कर आई कि ये निर्यातक/उत्पादक बाजार शासित दशाओं के तहत काम कर रहे हैं। कच्चे माल की कीमत जनोपयोगी सेवाओं की कीमतों श्रम लागतों, ब्याज-दरों, आदि के निर्धारण में स्पष्ट सरकारी हस्तक्षेप का होना दिखाई नहीं देता है, विभिन्न पार्टियों से कच्चे माल की खरीद के साक्ष्य से इंगित होता है कि इन उत्पादकों/निर्यातकों से संबंधित दिखाई नहीं देते हैं। जहां तक आर एम बी की विनिमय दर, यद्यपि यह बताया गया था कि इसका निर्णय स्वतंत्र रूप से होता है, के संबंध में यह बात ध्यान में आई है कि अम0डा0/आर एम बी की दर कई वर्षों से आर एम बी 8.27 प्रति अम0डा0 की दर से लगभग स्थिर रहा है और ऐसा अब भी जारी है। किंतु, इस मामले में सामान्य मूल्य-निर्धारण पर यह बैठता नहीं पाया गया है। उपर्युक्त को देखते हुए

यह महसूस किया जाता है कि चीन के उपर्युक्त उत्पादक/निर्यातकों द्वारा पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध कराया गया है ताकि यह देखा जा सके कि बाजार दशाएं उनके कार्यापालन में विद्यमान रहें और पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 पैरा ग्रांम 1 से 6 के अनुसार चीन के उक्त उत्पादक/निर्यातक के संबंध में सामान्य मूल्य के निर्धारण में यथोचित समझा जाए,

17.16 उपर्युक्त को देखते हुए ऐसा लगता है कि चीन के उपरोक्त उत्पादक/निर्यातकों द्वारा पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत किया गया है ताकि ऐसा मान लिया जाय कि उनके प्रचालन में बाजार-दशाएं विद्यमान हैं और ऐसा समुचित समझा जाता है कि चीन के उक्त उत्पादक/निर्यातक के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैराग्राफ 1 से 6 के उपबंधों के अनुसार कर दिया जाए।

18. उत्पादक में निगबो टेकी बियरिंग कं० लि० की अलग-अलग दुकानें अलग-अलग मॉडलों के बियरिंगों के उत्पादन हेतु अपेक्षित अलग-अलग कार्यकलाप कर रही हैं। बाल बियरिंग की उत्पादन प्रक्रिया में प्रयुक्त माल कच्चा माल घरेलू बाजार से प्राप्त सिंगल ग्रेड स्टील पिल्लेट होता है। इस एकक में बियरिंगों के विभिन्न आकारों के उत्पादन हेतु यथोचित स्टील पिल्लेटों को विभिन्न आकारों की स्टील ट्यूबों में परिवर्तित करने की सदनगत भट्टी सुविधाएं विद्यमान हैं, यह एकक बाजार से विभिन्न किस्मों तथा व्यास की स्टील ट्यूबें नहीं खरीदता है और इसीलिए उसे इसके लिए अलग भण्डारण स्थान तथा रिकार्ड की जख्यरत नहीं है। कच्चे माल की खरीद तथा भण्डारण लागत अपेक्षतया सस्ती पाई गई ।

19. प्रकरणों के प्रत्युत्तर में घरेलू उद्योग ने दलील दी है कि यह बात स्वीकार नहीं की जा सकती है कि मै० एम सी एम, चीन की उत्पाद लागत इतनी कम हो सकती कि जिससे 3.13% का पाटन मार्जिन उचित ठहराया जासके। ऐसा प्रतीत होता है कि इस निर्यातक की उत्पादन लागत का मूल्यांकन ठीक से नहीं किया गया है, इसके अलावा, चीन के निर्यातक को अपर्याप्त साक्ष्य के आधार पर बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार नहीं दिया जा

सकता है। यह साबित नहीं किया गया है कि कच्चे माल की कीमतें उचित बाजार मूल्य को परिलक्षित कर रही हैं। चीन के निर्यातक की उत्पादन लागत की तुलना सर्वाधिक प्रतियोगी भारतीय उत्पादक से करने पर बहुत भारी अन्त दर्शा सकता है। तथाकथित भिन्न कं० स्तरों के बियरिंगों को विचाराधीन उत्पाद के पृथक् मॉडलों के रूप में समझने का प्रस्तावित निर्धारण पूर्णतया गलत है। कंपनी ने इस बात की पुष्टि की नहीं की है कि क्या इसके लेखा सिद्धांत अन्तर्राष्ट्रीय लेखा मानकों के अनुरूप हैं। एमसीएम के सभी निवेदनों को गोपनीय समझा गया है। बाल बियरिंग टाइप 6202 के संबंध में सामान्य मूल्य निर्धारण के आधार का खुलासा नहीं किया गया है।

20. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की विभिन्न दलीलों की जांच की है। सहयोगकर्ता चीन के निर्यातक/उत्पादक द्वारा प्रस्तुत जानकारी तथा साक्ष्य के समग्र मूल्यांकन प्राधिकारी द्वारा किए गए सत्यापन पर प्राधिकारी का विचार था कि चीन के उत्पादक/निर्यातक मै० एच सी एच को बाजार दशाओं में कार्य कर रहे माने जाने का काफी साक्ष्य है न कि नियमावली के अनबंधन के पैरा 8(3) के अनुसार गैर बाजार अर्थव्यवस्था में कार्य रहे जैसा जहां तक लेखा मानकों का संबंध है, प्राधिकारी प्रारंभिक जांच परिणामों के पैरा 5 (च) (VIII) का स्मरण दिलाता है कि जिसमें निर्यातक ने यह दावा किया था कि उन्होंने जिस लेखा प्रणाली का प्रयोग किया है वह किसी भी बाजार अर्थव्यवस्था में अन्तर्राष्ट्रीय मानदण्डों के अनुरूप है। प्राधिकारी ने इस पहल की भी पड़ताल की है और निर्यातक ने वार्षिक लेखाओं, तुलन पत्र, आदि को प्रस्तुत किया जो सामान्यतया स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के अनुसार पाए गए। जहां तक निर्यातक/उत्पादक द्वारा संगणित उत्पादन लागत का संबंध है, ऐसा उनके वित्तीय लेखाओं से प्राप्त जानकारी के आधार पर किया गया। लागत के विभिन्न कारकों के आवंटन का पुनर्समायोजन किया गया है और इसके लिए जहां कहीं उचित समझा गया, आवंटन के आधार में परिवर्तित किया गया है, जहां तक चीन के उत्पादक/निर्यातक तथा भारतीय उत्पादकों की उत्पादन लागत में बड़े अन्त का संबंध है, प्राधिकारी नोट करता है कि प्रयुक्त आधारीक कच्चे माल की किस्म के कारण कच्चे माल की लागत में काफी अन्तर है। विनिर्माण ऊपरी खर्चों तथा ह्रास में काफी अन्तर पाए गए हैं।

21. प्राधिकारी को प्रारंभिक जांच परिणाम का स्मरण आता है जिसमें यह रिकार्ड किया गया था कि चीन के निर्यातक के प्रत्युत्तर के अनुसार बाल बियरिंग किस्म 6201, 6202, 6203 तथा 6204 जिनमें उनके 2 आर एस बी , 2 आर एस वी, जेड जेड, जेड जेड वी, जेड जेड वी2 जैसे रूप भेद शामिल हैं, का निर्यात उनके कुल निर्यात का लगभग 87.89% रहा। प्राधिकारी नियम 17(3) और पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 6.10 के अनुसार कार्य करता है जिसमें अन्य बातों के अलावा यह प्रावधान है कि ऐसे मामलों में जहां निर्यातकों, उत्पादकों, आयातकों और शामिल उत्पाद किस्मों की संख्या इतनी बड़ी है कि ऐसा कोई निर्धारण करना अव्यावहारिक हो जाए, प्राधिकारीगण अपनी जांच को या तो इचदुक पक्षकों अथवा उत्पादों की एक यथोचित संख्या तक ही सीमित रखें और इसके लिए प्राधिकारियों को चयन के समय उपलब्ध कराई गई जानकारी के आधार पर सांख्यिकीय दृष्टि से वैध नमूनों का प्रयोग किया जाए। चीन के उत्पादक ने उत्पादित/बेचे गए बाल बियरिंगों के 646 माडलों की जानकारी दी थी। उन्होंने जांच अवधि के दौरान भारत को लगभग 145 माडलों का निर्यात किया था। इनमें से प्राधिकारी को लगा कि बाल बियरिंग किस्म 6201, 6202, 6203 तथा 6304 जिनमें उनके 2 आर एस वी1, 2 आर एस वी1, जेड जेड, जेड जेड वी1, जेड जेड वी2 जैसे रूप भेद शामिल हैं, का निर्यात उनके कुल निर्यात का लगभग 87.89% रहा। प्राधिकारी ने इसे 145 माडलों के लिए पाटन मार्जिन तय करने में अव्यावहारिक पाया। अतः नियम 17(3) तथा पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 6.10 के उपर्युक्त प्रावधान को देखते हुए प्राधिकारी ने इसे बाल बियरिंग किस्म 6201, 6202, 6203 तथा 6304 और उनके 2 आरएस, वी1, 2 आर एस वी1, जेड जेड, जेड जेड वी, जेड जेड वी2 जैसे रूप भेदों के संबंध में, जो कि सांख्यिकीय दृष्टि से वैध नमूने का प्रतिनिधित्व करते हैं, पाटन मार्जिन का निर्धारण करने हेतु विचार किया।

22. उत्पादक के घरेलू बिक्री आंकड़ों का विश्लेषण करते समय प्राधिकारी ने पाया कि बाल बियरिंग किस्म 6201, 6201 जेड जेड 6202 जेड 2वी, 6202 जेड जेड के संबंध में घरेलू

बिक्री भारत को संबंधित किस्मों के निर्यात के 5% से भी कम रही। अतः प्राधिकारी ने उत्पादन लागत, बिक्रय सामान्य एवं प्रशासनिक व्यय तथा उसमें -----% लाभ मार्जिन जोड़कर, के आधार पर इन सभी किस्मों के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है, शेष किस्मों के संबंध में प्राधिकारी ने घरेलू बिक्री कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है, निबल बिक्री कीमत की तुलना के बाद प्राधिकारी ने पाया है कि किस्म 6203, 6201, 2 आर एस, 6201 वी1, 6201 जेड जेड वी1, 6202, 2 आर एस, 6202 2 आर एस वी1, 6202 जेड जेड वी2 और 6203, 2 आरएस, 6203 2 आर एस वी1, 6203 जेडजेड तथा 6203 जेड जेडवी1 की घरेलू बिक्रियां सामान्य व्यापार प्रक्रिया में रही हैं। इन किस्मों के सामान्य मूल्य की निर्धारण इन किस्मों की भारित औसत घरेलू बिक्री कीमत के आधार पर किया गया। किस्म 6204, 6204 2 आर एस तथा 6204 जेड जेड वी1 की सम्पूर्ण घरेलू बिक्रियां सामान्य व्यापार प्रक्रिया के अनुरूप नहीं पाई गई क्योंकि लगभग 99% से 100% घरेलू बिक्री सौदे उत्पादन लागत जमा प्रशासनिक, बिक्री एवं सामान्य (एसजीए) लागतों से कम लागत पर रहे। इन किस्मों के सामान्य मूल्य का निर्धारण उत्पादन-लागत, बिक्री सामान्य तथा प्रशासनिकव्यय तथा उसमें ----% लाभ मार्जिन जोड़कर किया गया। 6204 जेड जेड किस्म की 20 % से भी अधिक घरेलू बिक्री सामान्य व्यापार प्रक्रिया में नहीं की गई। अतः सामान्य मूल्य का निर्धारण शेष बिक्री के आधार पर किया गया जो कि उत्पादन लागत जमा एस जी ए से अधिक स्तर पर हुई थी।

23. निर्यात कीमत:

प्राधिकारी चीन के सहयोगकर्ता निर्यातक मै0 एच सी एच की निर्यात कीमत के निर्धारण से संबंधित प्रारंभिक जांच परिणामों का स्मरण दिलाता है, इस निर्यातक ने भारत बाल बियरिंगों के विभिन्न माडलों के निर्यात संबंधी जानकारी दी थी। उन्होंने समुद्री भाड़े, बीमा, पैकिंग प्रभारों, भण्डारण, हैण्डलिंग तथा सीमाशुल्क प्रभारों के संबंध में समायोजन दर्शाया है। प्राधिकारी

ने समयोजन दावों तथा निर्यात बीजकों की पड़ताल की है। प्रारंभिक जांच परिणामों में शामिल कारखानागत निर्यात कीमत को अन्तिम जांच परिणामों के लिए भान लिया गया है।

24. चीन के अन्य असहयोग कर्ता निर्यातक-

प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने चीन के अन्य असहयोगकर्ता निर्यातकों के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण भारत में संबद्ध माल की उत्पादन लागत जमा बिक्री, प्रशासनिक तथा सामान्य खर्चों और नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा-7 के अनुसार यथोचित लाभ मार्जिन के आधार पर किया था। प्रकटनों के प्रत्युत्तर में मै0 के0जी0 इंटरनेशनल एफ जेड सी ओ दुबई और आल इंडिया बाल बियरिंग मर्चेन्ट्स एसोसिएशन ने दलील दी है कि सहयोगकारी निर्यातक के संबंध में उपलब्ध जानकारी का प्रयोग अन्य असहयोगकारी निर्यातक के लिए भी किया जाए। इसके अलावा, सर्वोत्तम उपलब्ध जानकारी पाटनरोधी करार के मार्गदर्शी सिद्धांतों के अनुसार विशेष ध्यान तथा सावधानी से लागू की जाए।

प्राधिकारी ने इन दलीलों की जांच पाटनरोधी करार के अनुबंध-11 के पैरा-7 के मद्देनजर की है। चीन के निर्यातकों को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में माना गया। बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार पर चीन के सहयोगकारी निर्यातक में एच सी एच को पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा-8 के अनुसार जानकारी एवं साक्ष्य प्रस्तुत किए जाने पर दिया गया है। चीन के उक्त निर्यातक द्वारा प्रस्तुत जानकारी/साक्ष्य की भी प्राधिकारी ने पड़ताल की है और उसी के बाद उन्हें बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार दिया गया है। चूंकि चीन के अन्य निर्यातक/उत्पादक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले हैं, अतः उन्हें चीन के एक ऐसे सहयोगकर्ता निर्यातक के आधार पर इसी तरह का बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार नहीं दिया जा सकता है जिसकी जानकारी पड़ताल के बाद स्वीकार की गई है। तदनुसार, चीन जन.गण. के किसी अन्य निर्यातक के प्रत्युत्तर के अभाव में प्राधिकारी ने उत्पादन लागत जमा बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक प्रभार तथा यथोचित लाभ मार्जिन के आधार पर तैयार सामान्य मूल्य

का निर्धारण किया है। प्राधिकारी द्वारा कच्चे माल की लागत का सत्यापन किया गया है और शुल्क कारकों को कच्चे माल की अन्तर्राष्ट्रीय कीमत बयाना हेतु लिया गया है। प्राधिकारी ने उत्पादन लागत को सर्वाधिक कार्यकुशल घरेलू उत्पादक पर आधारित अनुकूल क्षमता उपयोग स्तर पर किया है। प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ निर्यात कीमत का निर्धारण गौण स्रोत आयात आंकड़ों पर आधारित जानकारी के अनुसार किया गया। इसीको नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के रूप में मानते हुए प्राधिकारी उसी को निर्यात कीमत पुष्ट करता है।

25. रूस के संबंध में सामान्य मूल्य

प्राधिकारी प्रारंभिक जांच परिणामों का स्मरण दिलाता है। रूस से किसी भी निर्यातक ने जांच में सहयोग नहीं दिया है। किसी रूसी निर्यातक से किसी जवाब की अनुपस्थिति में, प्राधिकारी का नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण करने का प्रस्ताव है। इस प्रकार सामान्य मूल्य का निर्धारण उत्पादन लागत के आधार पर बिक्री, सामान्य तथा प्रशासनिक खर्च और उचित लाभ मार्जिन सहित किया जाता है। इस प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने अन्तर्राष्ट्रीय कीमत पर विचार किया है और सर्वाधिक कार्यकुशल घरेलू उत्पादक पर आधारित अनुकूल क्षमता उपयोग स्तर पर उत्पादन लागत को मानवीकृत किया है।

26. रूस के संबंध में निर्यात कीमत

प्राधिकारी ने प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ द्वारा प्रस्तुत जानकारी पर विचार किया। रूस के किसी भी निर्यातक से कोई भी प्रत्युत्तर नहीं मिला है। रूस से होने वाले आयातों के संबंध में किसी भी आयातक ने जानकारी नहीं है। याचिकाकर्ता ने गौण स्रोत के आंकड़ों के अनुसार निर्यात कीमत का दावा किया है और समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, कमीशन, अन्तर्देशीय परिवहन और पत्तन हैंडलिंग तथा पत्तन प्रभारों के संबंध में समायोजन दर्शाए हैं। प्राधिकारी

ने दर्शाए गए समायोजनों को यथोचित पाया है। रूस के निर्यातकों से सहयोग नहीं मिलने के कारण प्राधिकारी को नियम 6 (8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों पर विश्वास करना पड़ा है और उसका प्रस्ताव है कि कारखानागत निर्यात कीमत का निर्धारण उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया जाए।

27 रोमानिया के संबंध में सामान्य मूल्य

प्राधिकारी प्रारंभिक जांच परिणामों का स्मरण करता है। मै0 कोयो, रोमानिया जो कि डीप ग्रुप बाल बियरिंगों और टेपर्ड रोलर बियरिंगों का उत्पादक है, ने जानकारी दी है कि उन्होंने वर्ष 2002 के दौरान भारतीय बाजार को कोई भी बियरिंग निर्यात नहीं किया है, उनका दावा है कि उन्होंने किसी भी भारतीय ग्राहक को कोई भी बीजक जारी नहीं किया है अथवा किसी भी भारतीय ग्राहक को परेषिती के रूप में कोई भी माल नहीं भेजा है। किन्तु, उन्होंने मध्य-पूर्व अथवा सुदूर पूर्वी-एशिया के अनेक व्यापारियों को बियरिंगों का निर्यात किया परन्तु इन बियरिंगों के अन्तिम गन्तव्य के बारे में उन्हें जानकारी नहीं है। जहां तक मै0 रूलमेंटी एस.ए. स्लेटिना का संबंध है, रोमानिया सरकार द्वारा यह जानकारी दी गई है कि उक्त कंपनी ने दिनांक 28 अगस्त, 2002, को उत्पादन रोक दिया था और वे अब दिवालियापन हेतु परिसमापन के तहत है। अतः इस जांच के संबंध में कोई भी नहीं दी जा सकी। प्राधिकारी ने डी जी सी आई एण्ड एस के आयात आंकड़ों और गौण स्रोत की जांच की है और पाया है कि ऐसे आयात हुए हैं जिनमें इस जांच द्वारा कवर किए गए बाल बियरिंगों से संबंधित अधिसंख्य सौदों में उद्भव का देश रोमानिया दर्शाया गया है, अतः प्राधिकारी के पास यह कार्रवाई करने हेतु पर्याप्त साक्ष्य है कि रोमानियाई उद्भव के बाल बियरिंगों का आयात जांच अवधित के दौरान हुआ था। रोमानिया के निर्यातकों के असहयोग के कारण प्राधिकारी ने नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर प्रारंभिक जांच परिणामों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण किया था। सामान्य मूल्य का निर्धारण याचिकाकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत उस जानकारी के आधार पर किया गया जो रोमानिया की घरेलू बिक्री कीमत पर आधारित है। निर्मित सामान्य मूल्य से तुलना के आधार पर प्राधिकारी उसी को यथोचित समझता है। प्राधिकारी का उसी की पुष्टि करने का प्रस्ताव है।

28. रोमानिया के संबंध में निर्यात कीमत

प्राधिकारी ने प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ रोमानिया से संबद्ध माल की निर्यात कीमत के संबंध में याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत जानकारी पर विचार किया था। रोमानियाई निर्यातक द्वारा निर्यात कीमत के संबंध में कोई भी जानकारी नहीं दी गई। किसी भी आयातक ने रोमानिया से होने वाले आयातों के बारे में जानकारी नहीं दी है। याचिकाकर्ता ने निर्यात कीमत का गौण स्रोत के आंकड़ों के अनुसार होने का दावा किया है, और समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा, कमीशन, अन्तर्देशीय परिवहन और पत्तन हैंडलिंग तथा पत्तन प्रभारों संबंधी समायोजन दशार्थ हैं। प्राधिकारी ने इस समायोजनों को यथोचित पाया है। प्राधिकारी के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों पर भरोसा करना पड़ा है और ऐसा प्रस्ताव है कि कारखानागत निर्यात का निर्धारण उपलब्ध तथ्यों के अनुसार किया जाए।

29. पोलैण्ड के संबंध में सामान्य मूल्य

पोलैण्ड से किसी भी निर्यातक ने प्रश्नावली का पूरा उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। मात्र मै0 एनएसके- आईएसकेआरए ने सूचना दी है कि उनकी कम्पनी ने जांच अवधि के दौरान संबद्ध माल का भारत को निर्यात किया। इसके अलावा, उनकी कम्पनी ने असंबंधित व्यापारिक कम्पनियों को संबद्ध माल की बिक्री की। उन्होंने प्रश्नावली पर जानकारी प्रस्तुत नहीं की है। प्राधिकारी पोलैण्ड से निर्यातकों को गैर-सहयोगी के रूप में मानता है। याचिकाकर्ता ने पोलैण्ड के संबंध में सामान्य मूल्य का दावा पोलैण्ड में घरेलू बाजार बिक्री कीमत के आधार पर किया है। पोलैण्ड से निर्यातकों के असहयोग के कारण, प्राधिकारी नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए बाध्य है। प्रारंभिक जांच परिणामों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण याचिकाकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत जानकारी के आधार पर किया गया था जो कि पोलैण्ड में घरेलू बिक्री कीमत पर आधारित है। निर्मित

सामान्य मूल्य से तुलना के आधार पर प्राधिकारी को वही यथोचित लगता है। प्राधिकारी का उसी की पुष्टि करने का प्रस्ताव है।

30. पोलैण्ड के संबंध में निर्यात कीमत

पोलैण्ड के किसी भी निर्यातक से कोई संपूर्ण प्रत्युत्तर प्राप्त नहीं हुआ है। प्राधिकारी ने प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ पोलैण्ड से संबद्ध माल की निर्यात कीमत के संबंध में याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत जानकारी पर विचार किया था। याचिकाकर्ता ने निर्यात कीमत का गौण स्रोत के आंकड़ों के अनुसार होने का दावा किया है और समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा, कमीशन, अन्तर्देशीय परिवहन और पत्तन हैंडलिंग तथा पत्तन प्रभारों संबंधी समायोजन दर्शाए हैं। प्राधिकारी ने इन समायोजनों को यथोचित पाया है। प्राधिकारी को नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों पर भरोसा करना पड़ा है और ऐसा प्रस्ताव है कि कारखानागत निर्यात कीमत का निर्धारण उपलब्ध तथ्यों के अनुसार किया जाए।

31. पाटन मार्जिन

प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 में यथानिर्धारित सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन के निर्धारण के संचालन सिद्धांतों को अपनाने की सतत पद्धति का अनुसरण किया। पाटन मार्जिन का निर्धारण इस नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा-6 में यथानिर्धारित सिद्धांत के अनुसरण में सामान्य मूल्य के साथ निर्यात कीमत की उचित तुलना के आधार पर किया गया है। यह तुलना उसी व्यापार स्तर अर्थात् कारखानागत स्तर पर है। कारखानागत स्तर के सामान्य मूल्य की तुलना बाल बियरिंगों के संगत तुलनीय किस्म/मॉडल की कारखानागत स्तरीय निर्यात कीमत से की गई है। जांच में शामिल उत्पाद द्वारा कवर किए गए बाल बियरिंगों की किस्में बहुत अधिक हैं और इस चित्रण में कवर किए गए प्रत्येक बाल बियरिंग के संबंध में पाटन मार्जिन का निर्धारण करना अव्यावहारिक होगा। चीन के सहयोगकर्ता निर्यातकों के प्रत्युत्तर के अनुसार, 6201, 6202, 6203 तथा 6204 किस्मों तथा

उनके रूप भेदों के संबंध में निर्यात 87.89% रहा। अन्य देशों से होने वाले निर्यातकों के संबंध में निर्यातकों से कोई सहयोग नहीं मिला। किन्तु, प्राधिकारी द्वारा सत्यापित आयात आंकड़ों के अनुसार इन माडलों का निर्यात 50% से भी अधिक का रहा। अतः नियम 17(3) के अनुसार प्राधिकारी यह उपयुक्त समझा है कि इस चार माडलों तथा उनके रूप भेदों के संबंध में पाटन मार्जिन का निर्धारण सीमित रखा जाए क्योंकि इन्हें ही इन देशों से हुए निर्यात मात्रा में अधिकतम प्रतिशत के रूप में कवर किया गया। अलग-अलग पाटन मार्जिन, माडल/किस्मवार निर्धारित करने के पश्चात प्राधिकारी ने एक भारत औसत पाटन मार्जिन का निर्धारण किया है। अपर यथा प्रस्तावित सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत के आधार पर प्राधिकारी का प्रस्ताव है कि निम्नलिखित पाटन मार्जिनों (%) को अपना लिया जाए:-

क.सं.	देश	निर्यात/उत्पादक का नाम	पाटन मार्जिन (%)
1.	चीन जन.गण.	मै0 हुआनयी बियरिंग ग्रुप कं0 लि0, चीन मै0 नगबो टेकी बियरिंग कं0 लि0, चीन मै0 नगबो हुआनयी इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं0 लि0, चीन,	3.13
2.	चीन जन.गण.	अन्य निर्यातक	280.01
3.	रूस	सभी निर्यातक	368.21
4.	पोलैण्ड	सभी निर्यातक	253.17
5.	रोमानिया	सभी निर्यातक	181.46

घ. क्षति

32. पाटनरोधी नियमों का नियम-11 निम्नानुसार है:-

“क्षति का निर्धारण:

(1) निर्दिष्ट देशों से आयातों के मामले में , प्राधिकारी एक और ऐसा निष्कर्ष रिकार्ड करेंगे कि ऐसी वस्तु के भारत में आयात के कारण भारत में स्थापित किसी उद्योग को वास्तविक क्षति हो रही है, अथवा होने का खतरा है अथवा भारत में किसी उद्योग की स्थापना में वास्तविक रुकावट आ रही है अथवा आने का खतरा है।

(2) निर्दिष्ट प्राधिकारी पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तु के लिए घरेलू बाजार में कीमत उनके प्रभाव तथा ऐसी समान वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत साक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए तथा इन नियमों के अनुबंध-11 में निर्दिष्ट सिद्धांतों के अनुसार घरेलू उद्योग को क्षति, घरेलू उद्योग को क्षति की आशंका, घरेलू उद्योग की स्थापना में वास्तविक बाधा तथा पाटित आयातों और क्षति के बीच कारणात्मक संबंध का निर्धारण करेंगे।

33. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-11 में निर्दिष्ट क्षति के निर्धारण हेतु सिद्धांतों में व्यवस्था है कि :

(i) क्षति के निर्धारण में इन दोनों की वस्तुपरक जांच शामिल होंगी (क) पाटित आयातों की मात्रा तथा सामान वस्तु के लिए घरेलू बाजार में पाटित आयातों का कीमतों पर प्रभाव और (ख) ऐसे उत्पादकों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव।

(ii) पाटित आयातों की मात्रा की जांच के दौरान उक्त प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या भारत में पाटित आयातों में पूर्ण अर्थों में अथवा उत्पादन या खपत के सापेक्ष महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। नियम-18 के उप नियम (2) में यथा निर्दिष्ट कीमतों पर पाटित कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा महत्वपूर्ण कीमत कटौती हुई है, अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव के कारण कीमतों को खास सीमा तक कम होगी अथवा कीमत वृद्धि में रुकावट आएगी जो अन्यथा काफी हद तक बढ़ गई होती।

34. निर्यातकों/आयातकों/एसोसिएशन द्वारा दी गई दलीलें

आवेदकों ने बाल बियरिंगों के केवल चार अभिज्ञात किस्मों के संबंध में ही क्षति तथा कारणात्मक संबंध की बल्क जानकारी/आंकड़े प्रदान किए हैं। और साथ ही ऐसा प्रतीत होता

है कि विश्लेषण बाल बियरिंगों की सभी किस्मों के लिए कुछ कारकों और चार किस्मों के लिए चयनात्मक रूप से किया गया था।

चूंकि जांच के अधीन उत्पाद के दायरे में 8 एम एम ब्यास से 50 एम एम ब्यास के बाल बियरिंगों की सभी किस्में शामिल हैं, हालांकि 10% सेकम भाग का उत्पादन याचिकाकर्ता द्वारा किया जाता है और क्षति के आंकड़े केवल 6201, 6202, 6203 तथा 6204 के ही संबंध में प्रस्तुत किए गए हैं, अतः प्राधिकारी विचाराधीन उत्पाद के दायरे के भीतर आने वाले सभी बाल बियरिंगों के संबंध में क्षति की गणना कर सकता है।

8 एम एम से डा0 एम एम तक के बारे ब्यास के बाल बियरिंगों को बिल्कुल भी कोई क्षति नहीं हुई है।

35. प्रारंभिक जांच परिणामों पर टिप्पणी:

आयात मात्रा:- प्रारंभिक जांच परिणामों में यह तय किया गया है कि संबद्ध देशों से सबद्ध माल के आयात जो वर्ष 1998-99 के दौरान 23.25 लाख अदद हुए थे जांच अवधि के दौरान बढ़कर 479.23 लाख अदद हो गए। इस प्रकार 1600% से भी अधिक की वृद्धि हुई, आयात मात्रा स्वयं क्षति का संकेतक तब तक नहीं होता है जब तक कि घरेलू उद्योग के कुल बाजार हिस्से के सन्दर्भ में उसका विश्लेषण नहीं किया जाता।

उत्पादन: संबद्ध बाल बियरिंगों का उत्पादन बढ़ गया है जिससे घरेलू उद्योग को हुई खति प्रदर्शित नहीं होती है।

क्षमता उपयोग: संबद्ध बियरिंगों के क्षमता उपयोग में जांच अवधि के दौरान वृद्धि हुई है जिसमें घरेलू उद्योग कुछ भी क्षति हुई नहीं दर्शाई गई है।

बिक्रियां: घरेलू उद्योग की बिक्रियों में मात्रा तथा मूल्य दोनों दृष्टियों से जांच अवधि के दौरान वृद्धि हुई है। इस प्रकार, बिक्रियों पर कोई भी क्षति नहीं हुई।

लाभप्रदता: आवेदकों की लाभप्रदता वर्ष 1998-99 के 100 के समीकृत आंकड़ों से बढ़कर जांच अवधि में 224.65 हो गई, पिछले वर्ष के दौरान आधार वर्ष की तुलना में 754% की असाधारण वृद्धि दर्शाई गई थी। लाभप्रदता में सामान्य वृद्धि का रुख दर्शाया जा रहा है और समीकृत आंकड़े में वृद्धि 224% के स्तर पर है।

अन्तिम स्टॉक: बाल बियरिंगों की सभी किस्मों के लिए अन्तिम स्टॉक में जांच अवधि के दौरान गिरावट रही। अतः कोई क्षति नहीं हुई है।

उत्पादकता: उत्पादकता भी वर्ष 1998-99 के 100 के स्तर से बढ़कर 146.66(सूचीकृत) हो गई।

लगाई गई पंजी पर आय: प्रारंभिक जांच परिणामों में यह निर्णय लिया गया था कि आर ओ आई जो वर्ष 2001-01 में 4.88 या घटकर जांच अवधि 4.49 रहा गया, किन्तु, यह वर्ष 1998-99 में 1.83 पर रहा था और बढ़कर जांच अवधि में 4.49 हो गया। यह रुख निरंतर वृद्धि दर्शाता है। और यह मानने का कोई भी आधार नहीं है कि क्षति, यदि कोई हो, तथाकथित पाटन के कारण हुई है।

मजदूरियां तथा वेतन: प्राधिकारी ने निर्णय दिया है कि वेतनों तथा मजदूरियों को क्षति के वास्तविक संकेतक के रूप में नहीं माना जा रहा है।

नकद व्यय: नकद लाभ के क्षति के पन्द्रह कारकों में नहीं है किन्तु नकर लाभ में आधार वर्ष की तुलना में वृद्धि दर्शायी गई है, यद्यपि यह निर्णय लिया गया था कि इसमें जांच अवधि के दौरान पिछले वर्ष की तुलना में काफी गिरावट दर्शायी गई।

बाजार हिस्सा: क्षति विश्लेषण के लिए संगत बात यह है कि घरेलू बाजार के बाजार हिस्से में गिरावट आई है, यदि तथाकथित पाटित आयातों द्वारा बाजार हिस्से में शिकायतकर्ता घरेलू उद्योग की कीमत पर नहीं होता है तो ऐसी स्थिति में बाजार हिस्से में हानि के कारण किसी भी क्षति का दावा नहीं किया जा सकता है। शिकायतकर्ता घरेलू उद्योग के हिस्से में केवल मामूली गिरावट आई है। जाहिर है, संबद्ध देशों से होने वाले आयात के बाजार हिस्से में लाभ अन्य स्रोतों से हुए आयातों की वजह से हुआ है। इसे आवेदकों द्वारा क्षति के एक कारक स्वरूप दावा नहीं किया जा सकता है।

36. प्रकट किए गए तथ्यों की प्रतिक्रिया में निर्यातकों/आयातकों ने यह तर्क दिया कि क्षति मानदंडों के अनुसार घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है। यह भी तर्क दिया गया है कि क्षति का विश्लेषण करते समय खंड-वार विश्लेषण करने की अनुमति नहीं है।

37. घरेलू उद्योग के विचार

इस संबंध में सम्पूर्ण निवेदन चयनात्मक है तथा इनमें वे प्रमुख आधार शामिल नहीं हैं जिनका उल्लेख घरेलू उद्योग ने किया हो और प्राधिकारी ने स्वीकार किया हो तथा ऊपर चर्चा हुई हो जिनमें स्पष्ट रूप से क्षति दर्शायी गई हो। सहभागी कंपनी के मामले में बाजार

हिस्से में गिरावट 65% (1998-99) से घटकर 50% (जांच अवधि) और भारतीय उद्योग के मामले में 90% से घटकर 70% (जांच अवधि) होना नाकाफी नहीं बतायी जा सकती है। याचिका को अन्य भारतीय उत्पादकों द्वारा भी समर्थन दिया गया है क्योंकि याचिका इस एसोसिएशन द्वारा भारतीय उत्पादकों की ओर से दायर की गई है।

38. प्राधिकारी द्वारा जांच:

प्राधिकारी ने धरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की गई क्षति के संबंध में सूचना का विश्लेषण किया और इसका विस्तार से इस पर विचार किया।

क्षति के लिए विभिन्न संगत कारकों/सूचकों से संबंधित सूचना का विश्लेषण किया।

	इकाई	1998-99	1999-00	2000-01	जांच अवधि
		क	ख	ग	वार्षिकीकृत
विक्रिया					
50 एमएम एको तक अंतर्देशीय प्रतिक्रिया	सूचीबद्ध	100	95.33	112.42	116.04
50 एमएम एको तक अंतर्देशीय विक्रिया लाख रु.	सूचीबद्ध	100	96.29	91.04	114.07
चार प्रकार की अभिज्ञात विक्रियाँ					
6201	सूचीबद्ध	100	68.43	82.65	79.94
6202	सूचीबद्ध	100	86.28	88.00	80.52
6203	सूचीबद्ध	100	103.41	120.15	132.80
6204	सूचीबद्ध	100	90.99	101.91	96.45
लाभ					
लाभ हानि 50 एमएम रु लाख	सूचीबद्ध	100	180.26	754.66	175.35

लाभहानि समग्र रूप में लाख रु.	सूचीबद्ध	100	171.37	280.00	135.21
उत्पाद लागत ईकाई रु.					
6201	सूचीबद्ध	100	91.69	94.61	94.50
6202	सूचीबद्ध	100	97.82	96.05	96.14
6203	सूचीबद्ध	100	98.55	92.00	90.96
6204	सूचीबद्ध	100	101.07	94.57	96.54
बिक्री कीमत रु. ईकाई					
6201	सूचीबद्ध	100	92.46	101.01	99.44
6202	सूचीबद्ध	100	98.68	104.95	104.62
6203	सूचीबद्ध	100	97.77	99.48	96.60
6204	सूचीबद्ध	100	96.81	100.01	99.84
लाभ/हानि रु. ईकाई					
6201	सूचीबद्ध	-100	-87.64	-61.15	-68.73
6202	सूचीबद्ध	-100	-91.86	-34.59	-37.50
6203	सूचीबद्ध	-100	-107.62	-4.86	-25.18
6204	सूचीबद्ध	100	48.66	161.58	137.19
निर्गत उत्पादन					
50 एमएम तक उत्पादन	सूचीबद्ध	100	93.71	118.51	117.91
सभी प्रकार का उत्पादन ईकाई	ईकाई	97403050	91805416	115726829	114724842
	सूचीबद्ध	100	94.25	118.81	117.78
उत्पादन 6201	सूचीबद्ध	100	66.36	81.70	75.98

उत्पादन 6202	सूचीबद्ध	100	88.19	99.15	81.87
उत्पादन 6203	सूचीबद्ध	100	98.55	92.00	90.96
उत्पादन 6204	सूचीबद्ध	100	98.90	111.24	107.56
बाजार हिस्सा					
आयात मात्रा	डीजीसीआई एण्ड एस के अनुसार				
चीन	लाख इकाई	16.33	43.16	227.24	300.39
पोलैण्ड	लाख इकाई	1.913	12.98	20.87	27.70
रोमानिया	लाख इकाई	3.09	17.13	33.98	19.09
रूस	लाख इकाई	1.915	30.97	28.67	36.27
संबद्ध देश	लाख इकाई	23.25	104.24	310.76	383.46
अन्य देश	लाख इकाई	113.99	134.58	142.81	175.59
कुल आयात	लाख इकाई	137.24	238.82	453.57	559.05
आयात मात्रा	डीजीसीआई एण्ड एस के अनुसार				
चीन	रु0	55947578	93968053	327392778	394791779
पोलैण्ड	रु0	7981060	33934025	37189317	45524822
रोमानिया	रु0	16455601	36130647	97544214	84804536
रूस	रु0	11632589	50302378	102448738	141354207
संबद्ध देश	रु0	92016828	214335103	564575045	666475345
अन्य देश	रु0	858589021	1025752635	1431147353	1649722031
कुल आयात	रु0	950605849	1240087738	1995722398	2316197376
आयात मात्रा					
चीन	%	11.9	18.07	50.1	53.73
पोलैण्ड	%	1.39	5.44	4.6	4.96
रोमानिया	%	2.25	7.17	7.49	3.41
रूस	%	1.4	12.97	6.32	6.49
संबद्ध देश	%	16.94	43.65	68.51	68.59
अन्य देश	%	83.06	56.35	31.49	31.41
कुल आयात	%	100	100	100	100
चीन	%	5.89	7.58	16.4	17.04
पोलैण्ड	%	0.84	2.74	1.86	1.97
रोमानिया	%	1.73	2.91	4.89	3.66
रूस	%	1.12	4.06	5.13	6.10
संबद्ध देश	%	9.68	17.28	28.29	28.77

अन्य देश	%	90.32	82.72	71.71	71.23
कुल आयात	%	100	100	100	100
मांग	सूचीबद्ध	100	104.34	127.00	133.91
मांग में बाजार हिस्सा					
चीन	%	1.19	3	12.99	16.29
पोलैण्ड	%	0.14	0.9	1.19	1.5
रोमानिया	%	0.22	1.19	1.94	1.03
रूस	%	0.14	2.16	1.64	1.97
संबद्ध देश	%	1.69	7.25	17.77	20.79
अन्य देश	%	8.82	9.37	8.17	9.52
सभी आयात	%	9.96	16.62	25.93	30.31
धरेलू उद्योग	%	65.06	59.45	57.59	56.38
भारतीय उद्योग	%	90.04	83.38	74.07	69.69
उत्पादकता					
50 एमएम तक के उत्पादकता इकाईयां	सूचीबद्ध	100	99.52	136.05	146.66
उत्पादकता इकाई अभिज्ञात टाइप	सूचीबद्ध	100	89.73	117.06	120.63
उत्पादकता क्षमता	सूचीबद्ध	100	104.66	128.95	142.14
निवेश पर आय	%	1.83	3.17	4.88	2.96
उपयोगिता क्षमता	सूचीबद्ध	100	102.73	117.23	106.50
नकदी प्रवाह पर वास्तविक और संभवित प्रभाव					
नकद लाभ	सूचीबद्ध	100	113.62	143.39	95.44
बाल वियरिंग 50 एमएम तक	सूचीबद्ध	100	78.00	102.66	97.42
रोजगार कर्मचारियों की संख्या	सूचीबद्ध	100	94.71	87.33	80.31

वेजेज					
वेतन तथा वेजेज लाख रु०	सूचीबद्ध	100	99.73	107.06	104.85
वृद्धि					
मात्रावार	%		-4.67	12.42	-7.17
मूल्यवार	%		-3.71	-8.96	-8.74

39. क्षति की संचित आकलन

अनुबंध 2 (3) के अनुसार, वह मामले जहां कोई उत्पाद पाटनरोधी जांच के अर्तगत एक से अधिक देशों से एक साथ आयात की जा रही है, प्राधिकारी के लिए इस प्रकार के आयातों के प्रभाव को संचित रूप से केवल तभी आकलित करना आवश्यक है, जब यह निश्चित है कि (क) प्रत्येक देश से आयातों में पाटन मार्जिन निर्यात कीमत की प्रतिशत के रूप में 2 प्रतिशत से अधिक हो तथा प्रत्येक देश से समान वस्तु के आयात की मात्रा 3 प्रतिशत हो (ख) आयातित वस्तु और समान घरेलू वस्तु के बीच सपर्धा की स्थितियों में आयातों के प्रभाव को संचित आकलन उचित है। प्राधिकारी ने पाया कि प्रत्येक संबद्ध देश में पाटन मार्जिन 2 प्रतिशत से अधिक है तथा प्रत्येक देश से होने वाले आयातों की मात्रा भी 3 प्रतिशत से अधिक है।

क्या आयातित उत्पादों के बीच स्पर्धा की स्थिति है और आयातित उत्पादों तथा समान घरेलू उत्पाद के बीच स्पर्धा की स्थिति है इस आकलन के लिए प्राधिकारी के विचार यह हैं कि :

(i) संबद्ध वस्तुएं उसी टैरिफ वर्गीकरण के तहत संबद्ध देशों से आयात की गई हैं;

(ii) प्राधिकारी ने पाया कि आयातित संबद्ध सामान व्यावसायिक रूप से घरेलू रूप से उत्पादित बॉल बियरिंगों के विकल्प के रूप में हैं;

(iii) घरेलू उत्पादों के स्थान पर घरेलू पंखे, मोटर तथा पंप के विनिर्माताओं द्वारा आयातित उत्पादों की ओर महत्वपूर्ण रूप से स्थानांतरण दर्शाता है कि स्पर्धा की स्थितियां समान हैं;

(iv) किसी भी आयातक ने प्रश्नावली के प्रत्युत्तर नहीं भेजा है। तथापि प्राधिकारी ने व्यापारी संघ की प्रस्तुतियों से यह उचित निष्कर्ष निकाला कि वे आयातित व देशी बॉल बियरिंगों का व्यापार करते हैं। इसलिए वितरण के स्रोत समान पाए गए हैं;

(v) इसलिए, प्राधिकारी ने आयातित उत्पादों के बीच स्पर्धा की स्थितियों में तथा आयातित उत्पादों तथा समान घरेलू उत्पाद के बीच स्पर्धा की स्थितियों के मद्देनजर घरेलू रूप से उत्पादित समान वस्तुओं के आयातों के प्रभाव का संचित आकलन उचित पाया है।

40. विभिन्न क्षति मानदंडों की जांच पर प्राधिकारी ने पाया कि:

(i) संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। 1998-99 में 23.25 लाख पीसों से यह जांचावधि के दौरान बढ़कर 383.46 लाख पीस हो गया। यह बढ़ोतरी लगभग 1549 प्रतिशत है जो कि अत्यंत महत्वपूर्ण है। उत्पादन के संबंध में, संबद्ध देशों से होने वाले आयात का बाजार अंश 1998-99 के 2.47 प्रतिशत से बढ़कर जांचावधि के दौरान 34.59 प्रतिशत हो गया। मांग के संबंध में, संबद्ध देशों से होने वाले आयात का बाजार अंश 1998-99 के 1.69 प्रतिशत से बढ़कर जांचावधि के दौरान 20.79 प्रतिशत हो गया।

(ii) पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में, केवल निम्नलिखित चार किस्मों के बॉल बियरिंगों के संबंध में प्राधिकारी ने पाया कि घरेलू उद्योग में शुद्ध बिक्री प्राप्ति की तुलना में पाटित आयातों द्वारा मूल्यों में हो रही कटौती हो रही है। कीमत कटौती धुंखला निम्नानुसार पाई गई है:

किस्में	एचसीएच चीन	चीन	पोलैंड	रोमानिया	रूस
6201	90-100%	145-155%		40-50%	160-170%
6202	100-110%	155-165%	150-160%	60-70%	200-210%
6203	90-100%	120-130%	130-140%	90-100%	230-240%
6204	100-110%	125-135%	140-150%	125-135%	310-320%

(iii) निम्नलिखित चार माडलों के संबंध में कीमत में कटौती निम्नानुसार पाई गई

है:

किरमें	एचसीएच चीन	चीन	पोलैंड	रोमानिया	रूस
6201	155-165%	225-235%	---	90-100%	250-260%
6202	135-145%	200-210%	195-205%	90-100%	255-265%
6203	110-120%	145-155%	155-165%	115-125%	270-280%
6204	100-110%	140-150%	155-165%	140-150%	340-350%

41. प्राधिकारी का यह विचार है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव इसके निष्पादन के रूप में देखे जा सकते हैं जैसे कि विचाराधीन उत्पाद अर्थात् पाटनरोधी नियमों के अनुबंध 2 के पैरा (iv) के अनुसार 8 मिमी. से 50 मिमी. से अधिक आकार के बॉल बियरिंग के संबंध में है। घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव को विचाराधीन उत्पाद के एक सीमित घटक के रूप में नहीं देखा जा सकता। घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच के लिए, संबद्ध आर्थिक घटक तथा अनुक्रमिकाओं का निम्नानुसार मूल्यांकन उपयुक्त विवरण के अनुसार है:

(i) कुल आयातों के संबंध में संबद्ध देशों से संबद्ध सामानों के आयात का अंश में 1998-99 के 16.94% की तुलना में जांचावधि में 68.59% तक बढ़ोतरी हुई। यह 304% की बढ़ोतरी थी। संबद्ध सामानों की कुल मांग के संबंध में संबद्ध देशों से आयातों के बाजार अंश में 1998-99 के 1.69% की तुलना में जांचावधि में 20.79% तक बढ़ोतरी हुई। यह भारत में खपत के संबंध में संबद्ध देशों से संबद्ध सामानों के आयात में महत्वपूर्ण बढ़ोतरी हुई दर्शाता है।

(ii) 50 मिमी. तक के बॉल बियरिंगों के उत्पादन जांचावधि के दौरान 1998-99 के 100 (सूचीकृत) की तुलना में बढ़कर 117.91 हो गया। 1998-99 की तुलना में क्षमता उपयोगिता जांचावधि के दौरान बढ़कर 106.5 (सूचीकृत) हो गई।

(iii) 50 मिमी. घेरे के बॉल बियरिंगों के संबंध में घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री ने 1998-99 की तुलना में जांचावधि के दौरान सुधार दिखाया है। तथापि, 50 मिमी. घेरे की केवल तीन किस्मों अर्थात् 6201, 6202 तथा 6204 मॉडलों के बॉल बियरिंगों की बिक्री ने गिरावट दिखाई है। तथापि, 6203 मॉडल की बिक्री ने जांचावधि के दौरान बढ़ोतरी दर्शाई है। घरेलू उद्योग द्वारा उपयोग करने वाले विभिन्न घटकों में की गई बिक्री की विस्तृत जांच दर्शाती है कि पंखा उद्योग को 50 मिमी. तक आकार के बॉल बियरिंग की बिक्री में वर्ष 1998-99 की तुलना में जांचावधि के दौरान महत्वपूर्ण गिरावट आई है। पंप तथा मोटर के घटक में भी बिक्री में महत्वपूर्ण गिरावट आई है। 50 मिमी. से ऑटोमोटिव आकार के बॉल बियरिंगों की बिक्री में आंशिक वृद्धि हुई है, बाहरी तत्वों जैसे कि इंजीनियरिंग, टैक्सटाइल, कनवेयर, मशीन टूल को बिक्री ने भी स्वस्थ प्रवृत्ति दर्शाई है। यह आकलन दर्शाता है कि पाटित आयातों के कारण पंखे, पंप व मोटर के क्षेत्र में घरेलू उद्योग ने बाजार अंश खोया है। 50 मिमी तक के घेरे के बॉल बियरिंग की बिक्री में समग्र बढ़ोतरी ऑटोमोटिव, इंजीनियरिंग, वस्त्र, कनवेयर, मशीन टूल क्षेत्रों में मांग बढ़ने के कारण है। तथापि, 8 मिमी. से 50 मिमी. तक के बॉल बियरिंग विचाराधीन उत्पाद हैं। घरेलू उद्योग के समग्र बिक्री निष्पादन ने जांचावधि में सुधार दर्शाया है।

(iv) मांग के संबंध में घरेलू उद्योग के बाजार अंश 1998-99 के 65.06 प्रतिशत की तुलना में गिरकर जांचावधि के दौरान 56.38 प्रतिशत हो गया।

(v) 50 मिमी. तक के बॉल बियरिंगों के लाभ के संबंध में 1998-99 की तुलना में जांचावधि के दौरान सुधार आया है। केवल 6201, 6202 तथा 6203 मॉडलों के संबंध में घरेलू उद्योग ने घाटा दिखाया है। 6204 मॉडल के संबंध में उद्योग ने लाभ दर्शाया। 50 मिमी. तक के बॉल बियरिंगों के लिए घरेलू उद्योग की लाभप्रदता आधार वर्ष 1998-99 के 100 (सूचीकृत) की तुलना में संबंध में जांचावधि के दौरान 175.35 (सूचीकृत) से देखी जा सकती है।

(vi) केवल 6201, 6202 तथा 6204 मॉडलों के संबंध में 1998-99 की तुलना में जांचावधि के दौरान बॉल बियरिंगों की संबद्ध किस्मों की शुद्ध बिक्री प्राप्ति ने गिरावट दर्शाई।

(vii) बॉल बेयरिंगों की संबद्ध किस्मों के अंतिम स्टॉक में 1998-99 की तुलना में जांचावधि के दौरान आंशिक गिरावट दर्शाई गई !

(viii) याचिकाकर्ता कंपनियों में कर्मचारियों की संख्या में 1998-99 की तुलना में जांचावधि के दौरान आंशिक गिरावट आई ।

(ix) प्रति कर्मचारी उत्पादकता में 1998-99 की तुलना में जांचावधि के दौरान सुधार हुआ है ।

(x) वर्ष 1998 - 99 की तुलना में जांच अवधि के दौरान कुल वेतनों और मजदूरी के भुगतान में बढ़ोतरी हुई थी। तथापि, वेतन और मजदूरी के परिप्रेक्ष्य में क्षति से संबंधित ख़ज़ान को भौतिक संकेतक के रूप में विचार नहीं किया जा रहा है।

(xi) लगाई गई पूँजी में कोई उल्लेखनीय परिवर्तन नहीं है। तथापि, जांचअवधि के दौरान लगाई गई पूँजी की वास्तविक प्राप्ति में 1.83 प्रतिशत से 2.96 प्रतिशत का मामूली सुधार देखा गया।

(xii) वर्ष 1998-99 से जांच अवधि के दौरान याचिकाकर्ता कंपनियों के मौद्रिक लाभ में कमी देखी गई। घरेलू उद्योग के कुल लाभ में जांचअवधि के दौरान बॉल बेयरिंगों के संबंध में 50 मिली मी0 तक तथा सभी प्रकारों के बॉल बेयरिंगों के संबंध में सुधार देखा गया है।

42. क्षति के संबंध में निष्कर्ष

(i) प्राधिकारी का यह निष्कर्ष है कि तथापि संबंधित देशों से पाटित आयातों की मात्रा में तथा भारत में उत्पादन और उपभोग के संबंध में वास्तविक अर्थों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, मूल्य को कम करने का प्रमाण विचाराधीन उत्पाद की सीमा में बॉल बेयरिंगों के चार मॉडलों के संबंध में ही पाया गया है। मूल्य का अंडरसेलिंग भी विचाराधीन उत्पादों के चार मॉडलों के संबंध में ही पाया गया है।

(ii) प्राधिकारी का यह विचार है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव को संपूर्णतः विचाराधीन उत्पाद जैसे पाटन रोधी नियमों के अनुबंध 2 के अनुच्छेद iv के अनुसार 8 मिली मी० से 50 मिली मी० के उपर बॉल बेयरिंगों के संबंध में इसके कार्य निष्पादन के रूप में देखा जा सकता है। घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव को विचाराधीन उत्पाद के सीमित भाग के संदर्भ में नहीं देखा जा सकता है। घरेलू उद्योग ने उंची उत्पादकता, उंचे पूँजी उपयोग, बेहतर विक्रय, बेहतर लाभ, कम वस्तुसूची, इस जांच के उद्देश्य के लिए उल्लेख के अनुसार उत्पाद के संबंध में उंची उत्पादकता आदि के संबंध में बेहतर कार्य निष्पादन का प्रदर्शन किया है। विचाराधीन उत्पाद की सीमा में बॉल बेयरिंगों के कुछ मॉडलों के संबंध में मूल्य की कटौती और मूल्य का अंडरसेलिंग विचाराधीन उत्पाद के संबंध में घरेलू उद्योग को होने वाली कुल क्षति के बारे में नहीं बतला सकता है। जब कुल मांग बढ़ रही हो तब मुख्य वस्तुओं की मांग में घरेलू उद्योग की बाजार में हिस्सेदारी के घटने को क्षति का महत्वपूर्ण संकेतक नहीं माना जा सकता है। इस प्रकार प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि उपलब्ध प्रमाणों के आधार पर यह कहा जा सकता है कि घरेलू उद्योग को कोई भौतिक क्षति नहीं हुई है।

43. कारणात्मक संबंध

प्राधिकारी ने कारणात्मक संबंध के संदर्भ में याचिकाकर्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा अभिव्यक्त किये गये विचारों पर ध्यान दिया है। उपरोक्तानुसार विभिन्न आर्थिक संकेतकों की जांच करने के बाद प्राधिकारी ने यह निष्कर्ष निकाला है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को कोई भौतिक क्षति नहीं हुई है।

ड निष्कर्ष

प्राधिकारी ने उपरोक्त पर विचार करने के बाद निष्कर्ष निकाला है कि:-

(i) संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं का भारत में निर्यात किया गया जिसके परिणामस्वरूप पाटन हुआ ; और

(ii) तथापि, पाटित आयातों के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को कोई भौतिक क्षति नहीं हुई है।

45. इसलिए यह आवश्यक समझा गया कि सीमाशुल्क मद 8482.10, 8482.80 और 8482.91 के अंतर्गत आने वाली 8 मिली मी० से 50 मिली मी० व्यास वाले बॉल बेयरिंगों के आयात पर पाटनरोधी शुल्कों को हटाया जाए, जिसे अधिसूचना संख्या 14/30/2002-डी जी ए डी, दिनांक 6 मई 2003 के माध्यम से अनंतिम रूप से संस्तुति किया गया था। और यह चीन जन० गणराज्य, पोलैंड, रोमानिया और रूस से उत्पादित और आयातित जांच की विषय वस्तु रही है।

46. उपरोक्त के आलोक में, निर्दिष्ट प्राधिकारी, यह संस्तुति करता है कि पाटनरोधी नियमों के नियम 18(4) के प्रावधानों के संबंध में औपबंधिक शुल्कों को हटाया जाए। पहले ही लगाया गया या एकत्रित किया गया औपबंधिक शुल्क, यदि कोई हो, को वापस किया जा सकता है।

47. इस आदेश के विरुद्ध कोई अपील सीमा-शुल्क, उत्पाद शुल्क, और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष अधिनियम, सुपरा के अनुसार प्रस्तुत होगा।

अभिजित सेनगुप्त, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 19th March, 2004

FINAL FINDINGS**Subject : Anti-dumping investigation concerning imports of Ball Bearings (up to 50 mm bore dia) from China PR, Poland, Russia and Romania.**

No. 14/30/2002-DGAD.— The Government of India having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof;

A. PROCEDURE

2. The procedure described below has been followed:-

- (i) The Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority), under the above Rules, received a written petition from Ball and Roller Bearing Manufacturers Association of India, New Delhi through its members viz., M/s. FAG Bearings India Ltd., Vadodara, M/s. NRB Bearings Ltd., Mumbai, M/s. SKF Bearings India Ltd., Mumbai, M/s. National Engineering Industries Ltd., Jaipur, M/s. Tata Iron and Steel Company Ltd., (Bearing Division), Kharagpur, representing the domestic industry, alleging dumping of Ball Bearings and parts and components thereof (up to 50 mm bore dia) originating in and exported from China PR, Poland, Russia and Romania (hereinafter referred to as subject countries).
- (ii) The preliminary scrutiny of the application revealed certain deficiencies, which were subsequently rectified by the petitioner. The petition was thereafter, considered as properly documented.
- (iii) The Authority notified the Embassies of subject countries in India about the receipt of dumping application made by the petitioners before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-rule (5) of Rule 5 supra.
- (iv) The Authority issued a Public Notice dated 21st September, 2002 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti dumping proceedings concerning imports of Ball Bearings and parts and

components thereof (up to 50 mm bore dia) covered under Chapter heading/subheading 8482.10, 8482.80, 8482.91 of Schedule I of the Customs Tariff Act.

- (v) The Authority forwarded copy of the said public notice to the known exporters, importers and to the complainants and gave them an opportunity to make their views known in writing.
- (vi) According to sub-rule (3) of Rule 6 supra, the Authority provided a copy of the petition to all the known exporters and Embassies of subject countries in India.
- (vii) The Authority sent questionnaires, to elicit relevant information, to the exporters as per details given in the Preliminary Findings.
- (viii) The Embassies of subject countries in New Delhi were also informed about the initiation of investigation and requested to advise the exporters/producers from their countries to respond to the questionnaire within the prescribed time.
- (ix) The questionnaire was sent to the known importers of subject goods as mentioned in the preliminary findings.
- (x) Additional information regarding injury was sought from the petitioners, which was also furnished.
- (xi) Request was made to the Central Board of Excise and Customs (CBEC) and DGCI&S to arrange details of imports of subject goods.
- (xii) The Authority kept available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties.
- (xiii) Some of the interested parties requested for extension in time to file their response to the questionnaire which was granted upon due cause shown.
- (xiv) The Authority notified preliminary findings vide Notification dated 6th May, 2003 and requested the interested parties to make their views known in writing within forty days from the date of its publication.
- (xv) Arguments made by the interested parties before announcing the preliminary findings, which have been brought out in the preliminary findings notified have not been repeated herein for sake of brevity. However, the arguments raised by the interested parties subsequently have been appropriately dealt in the disclosure statement and these findings.
- (xvi) The Authority also forwarded a copy of the preliminary findings to the Embassies of the subject countries in India with a request that the

exporters /producers of subject goods and other interested parties may be advised to furnish their views on the preliminary findings in the time frame as stipulated above.

- (xvii) The Authority provided an opportunity to the interested parties to present their views orally in a public hearing held on 15th July, 2003. All parties presenting views were requested to file written submissions of their views expressed. The parties were advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties and offer rebuttals, if any.
- (xviii) In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts / basis considered for these findings were disclosed to known interested parties on 1st March, 2004 vide a Disclosure Statement and comments received on the same have also been duly considered in these findings.
- (xix) Cost investigations including spot verification (as deemed necessary) of the domestic industry were also conducted to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and the information furnished by the Petitioner.
- (xx) The Authority conducted on the spot verification of information furnished by the exporter/producer M/s M/s Huanchi Bearing Group Co. Ltd., Ningbo Teke Bearing Co. Ltd., Ningbo Huanchi Import and Export Co. Ltd., China.
- (xxi) ***** in this notification represents information furnished by the interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- (xxii) The investigation covered the period from 1st January 2001 to 31st March, 2002.
- (xxiii) Copies of initiation notice and preliminary findings were also sent to FICCI, CII, ASSOCHAM etc., for wider circulation.

B. VIEWS OF PETITIONERS, EXPORTERS, IMPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES AND EXAMINATION BY AUTHORITY.

3. The views expressed by various interested parties have been discussed in the preliminary findings and also in the disclosure statement. The views given in response to the disclosure statement are discussed in the relevant paragraphs herein below to the extent these are relevant as per rules and have a bearing upon the case. The submission made by the petitioners, importers, exporters and other interested parties, to the extent filed before the Authority have been examined and considered while arriving at these findings and wherever appropriate have been dealt hereinafter.

4. The cases of new exporters shall be considered, on request, by the Authority in accordance with the Rules supra.

5. Following importers, exporters, manufacturers, associations and chambers have made submissions after the preliminary findings :

Importers/Associations/Chambers:

- (i) FICCI
- (ii) ASSOCHAM
- (iii) The All India Ball Bearing Merchants Association, Mumbai
- (iv) M/s Polar Industries Ltd., NOIDA
- (v) Indian Fan Manufacturers Association (IFMA), Kolkata
- (vi) Eastern India Ball Bearing Merchants Association
- (vii) M/s The Jay Engineering Works Ltd.
- (viii) M/s Bajaj Electricals Ltd.
- (ix) M/s Doshi Brothers Marketing Pvt. Ltd., Mumbai
- (x) M/s NISIKI Bearings Pvt. Ltd., Mumbai

Exporters

- (i) M/s Huanchi Bearing Group Co. Ltd., Ningbo Teke Bearing Co. Ltd., Ningbo Huanchi Import and Export Co. Ltd., China.
- (ii) M/s S. C. Koyo Romania S. A., Romania.
- (iii) M/s K.G. International FZCO, Dubai.

Manufacturers

- (i) Ball and Roller Bearing Manufacturers Association of India, New Delhi.
- (ii) Domestic producers.
- (iii) Small Scale Bearing Manufacturers Association (Rajasthan Unit), Jaipur
- (iv) M/s Orbit Bearings India Pvt. Ltd. Rajkot .
- (v) M/s Kankai Engineering Company Pvt. Ltd., Rajkot .

6. Following interested parties have made submissions on the Disclosures issued on 1.3.2004:

- (i) Domestic Industry
- (ii) M/s Huanchi Bearing Group Co. Ltd., Ningbo Teke Bearing Co. Ltd., Ningbo Huanchi Import and Export Co. Ltd., China.
- (iii) M/s S. C. Koyo Romania S. A., Romania.
- (iv) M/s K.G. International FZCO, Dubai.
- (v) Eastern India Ball Bearing Merchants Association, Kolkata
- (vi) Indian Fan Manufacturers Association, Kolkata
- (vii) NISIKI Bearings Pvt. Ltd., Mumbai
- (viii) Small Scale Bearing Manufacturers Association, Jaipur
- (ix) The All India Ball Bearing Merchants Association, Mumbai
- (x) Doshi Brothers Marketing Pvt. Ltd., Mumbai

7. **Period of Investigation** : The period of investigation in the present investigation is 1st January, 2001 to 31st March, 2002.

It has been argued by Indian Fan Manufacturers Association (IFMA) that WTO guidelines provide for anti dumping investigation to be carried out generally for a twelve calendar month period, whereas in this case fifteen months period has been taken deliberately so as to include two peak season months period for the fan industry thereby distorting the basis itself and the resultant figures.

It has been argued by M/s HCH that the fifteen month POI chosen by the Designated Authority from 1st January, 2001 to 31st March, 2002 has not been selected correctly whereas in most investigations the POI comprises of only one financial year. During the present investigation, the peak three months for the ball bearings industry being January to March have been included twice in the POI. Thus the volume of imports calculated by Designated Authority is exaggerated and not representative of the actual imports to India from subject countries.

The Authority notes that in this case the domestic industry had initially made application giving information for the calendar year 2001. However, as the examination of the application and submission of information sought by the Designated Authority took some more time, then the Authority considered it appropriate to take the POI as 1st January 2001 to 31st March 2002 so as to make the POI as recent as possible from the date of initiation and for which data would have been available. The Authority also notes that there are no clear guidelines either in the Anti Dumping Rules or in the Anti Dumping Agreement as regards the period of investigation. The authority is guided by the practices as these have evolved and as per practices followed, there is nothing unusual in taking fifteen months investigation period. The imports of subject Ball Bearings from subject countries during the five quarters covered by January, 2001 to March, 2002 have been as under :

Quarter	Import Qty—00,000 Pcs.
January - March, 2001	53.64
April – December, 2001	289.80
Average import during each quarter of April-December, 2001	96.60
January – March, 2002	135.84

As per the above table, the imports of subject Ball Bearings show a rising trend in each quarter. However, the imports in the January – March, 2001 quarter were lower than the average imports in each quarter of April, - December, 2001. Therefore, the argument of IFMA about peak season of imports during January-March is not correct. For the purpose of comparison of trends the Authority has taken the annualized figures of imports for twelve months based on the fifteen months period of POI. This is a consistent approach for comparison wherever the period of investigation is less than or more than twelve months.

8. Exclusion of Exports from Korea for investigation :

It has been argued by exporters and importers that exports made from Korea have been purposely kept out of the investigation. The domestic industry has offered comments that :

- (i) There is no evidence of dumping from Korea. Interested parties have merely argued that imports from Korea are at low price. Mere low price imports does not mean 'dumped imports'.
- (ii) Imports from Korea are under technical arrangement between the supplier and the purchaser. Technical consideration and not the price is the major reason behind these imports.
- (iii) The conditions of competition do not justify inclusion of Korea, as Korean imports were neither competing with exports from other countries nor these were competing with the supplies of the domestic industry.

Some of the interested parties have again raised the issue of exclusion of Korea from investigation as motivated. The Authority has further examined the issue. On examination it is seen that the domestic industry had initially made the application taking the POI as Jan-Dec.2001. As per the analysis of import data at that time, the imports from Korea were as under:

Imports from Republic of Korea	1530280
Total imports	51092146
% share of imports from Rep. of Korea	2.995

These imports were 2.995% of total imports and being below 3% were considered de-minimis. Subsequently the authority decided to take the POI as Jan 2001 to March 2002 so as to be as recent as possible from the date of initiation.

The Authority is of the view that though the exclusion of Korea was the result of the initial POI period at the time of application being twelve months, keeping in view the factual position, it may be appropriate to separately examine the question of an anti dumping investigation in respect of imports from the Republic of Korea.

8. Product under consideration and Like Article :

The product under consideration as per the Initiation Notification was Ball Bearings and parts and components thereof (up to 50 mm bore dia). The subject goods find major uses in Fans, Electrical Motor, Automotives, Pumps, domestic appliances, industrial appliances and other industries. On the basis of the arguments made and evidence brought before the Authority, it was considered appropriate to make recommendations in the preliminary findings only in respect of Ball Bearings models/types of bore dia above 8mm and upto 50mm. Subsequent to the Preliminary Findings, following submissions / comments have been received on the issue of Product Under Consideration and Like Article :

8.1 Views of Eastern India Ball Bearing Merchants Association

- (i) The Ball Bearings produced by the Petitioners is neither identical nor alike in all respects as to the Ball Bearings imported from the subject countries like China. Most of the imports from the subject countries, for instance, China during the POI are lower grade / 'normal' class bearings, produced from different raw materials and through a simpler production process.

- (ii) The Petitioners have not disclosed the fact that Ball Bearings are a diverse set of goods and are not substitutable and the Hon'ble Designated Authority has also erred in concluding that specifications of Ball Bearings are fairly standardized following a basic standard designation (numbering) system. Even similarly sized bearings are not one and the same. Though sizes of bearings may be the same, the specifications, like sound level, internal clearance of bearings, grease, tolerance level of inner and outer rings, load capacity are all different and thus prices are different. Further different applications require different type and quality of bearings. In fact the application of single type of bearings in different machines requires different specifications. Further differences arise on account of the fact that the same size of bearings are produced with different raw material like bearing steel (SAE 52100), Low Carbon steel, Stainless steel etc.
- (iii) The price of each ball bearing differs depending on its quality by way of accuracy, vibration and sound level as well as the quality of the raw material used and the price of each of these bearings is entirely different although they look the same and have the same size and number.
- (iv) The bearings imported from the subject countries, for instance, China are very different from higher grade of subject goods manufactured by the petitioners like SKF and FAG, although they look similar and further these bearings are basically sold in completely different market segments in India and have limited commercial applications. Imported small bearings from China are purchased by small traders who in turn sell to the local fan, pumps and domestic appliances industry who are selling their final product in the local market.
- (v) The "normal" class bearings imported from the subject countries including, for instance, China have the accuracy only up to ABEC-1 and has worst vibration level and is in fact lower than VI Group, i.e., the lowest group and that the price and grade of the bearing is mainly determined based on its vibration level. The "normal" class of bearings is also known in the market in India as "commercial" quality bearings.
- (vi) As against this, the petitioners produce high quality precision bearings (usually V3 Group Bearings) with high accuracy level of ABEC-3 (In case of SKF going up to ABEC-5) and high tolerance levels. In the Indian market these are sometimes referred to as "precision" quality bearings. Thus, apart from differences in technical specifications the commercial nomenclature and usage are also different.
- (vii) 60% of the bearings manufactured by the petitioners is used by the Indian Automotive Industry. The dumping margin alleged by the petitioner is between 89% to 407%. If the goods manufactured by the petitioners were Like Article with the bearings imported from the subject countries and price differences were the sole difference, the Indian Automotive Industry would have been the first to switch to the bearings imported from the subject countries, particularly sine they the Indian Automotive Industry were not doing well and cutting costs during the POI. This itself is indicative of the fact that the goods manufactured by the petitioners are Not Like Article with the bearings exported by the subject countries. Since the Indian Automotive Industry buys the petitioner's bearings rather than the imported ones this shows that the imported bearings cannot substitute for the petitioner's bearings.

- (viii) High grades Bearings of types 6201, 6202, 6203 and 6204 manufactured by the petitioners and normal grade of types 6201, 6202, 6203 and 6204 Ball Bearings produced and sold by the subject countries like China in India during the POI are not "Like Article", since the technical specifications are different, result thereof commercial application and usage are completely different and thus obviously the market segments that are served are completely different.

8.2 Views of Huanchi Bearing Group Co. Ltd., Ningbo Teke Bearing Co. Ltd. and Ningbo Huanchi Import and Export Co. Ltd (HCH) China :

- (i) The number of sizes of bearings produced under the category 10mm up to 50mm bore dia covers more than 1000 sizes of bearings while the petitioners in India produce only about 100 sizes. There is no rationale for including the remaining 900 sizes of ball bearings within the ambit of the present investigation which are not even produced by the petitioners in India and with respect of which there are no allegations of dumping nor can there be any causal link thereof.
- (ii) The Designated Authority has found that 87.89% of the subject goods exported to India by the responding Chinese exporters are types 6201, 6202, 6203 and 6204. Again, the overall economic parameters are found by the Designated Authority to be good across all bearings made and sold in India by the domestic industry and some injury parameters are found only in the case of types 6201, 6202, 6203 and 6204. Thus only types 6201, 6202, 6203 and 6204 can at most be included within the ambit of the present investigation and the inclusion of other types of ball bearings from 10mm to 50mm bore dia is not maintainable. Even out of the said four types (6201-6204), injury, if any, is limited and apparently only with respect to decline in production and sales of types 6201 and 6202 in the POI compared to both the previous year and the base year.
- (iii) Injury on all the bearings in the range of 10mm to 50mm cannot be similar or comparable.
- (iv) The Designated Authority as per his own preliminary findings observed that the petitioners have not furnished sufficient evidence in support of their claim to cover the parts and components of ball bearings for recommendation of any anti dumping duty. However, the Designated Authority continues to include parts and components of ball bearings within the scope of the present investigation which is contrary to its own findings.
- (v) It is not clear whether the DGCI&S data relied on by the Designated Authority to calculate the volume of imports from the subject countries includes parts and components of bearings also.
- (vi) The subject goods produced by TEKE in China are made from locally produced or purchased Chrome Bearing Steel and Chinese bearings exported to India are normal class bearings which are different from those manufactured by SKF and/or FAG and that they are sold to completely different market segments in India. In the case of SKF, the costs are inflated by import of steel raw material at inflated transfer prices from its related exporter in Sweden.

(vii) The Designated Authority has erred in holding that the ball bearings imported from the subject countries be treated as like article to those being produced by the domestic industry.

(viii) The scope of the present investigation has been broadened and is not confined to like articles as required under the rules. Any finding made by comparing the subject goods with unlike articles would be contrary to law.

(ix) Since there is no like article and since the subject goods produced and sold in India by the petitioners do not qualify as like article, the petitioners have failed to fulfill the domestic industry eligibility criteria as required under the rules and thus the present investigation ought to be dismissed *in limine*.

8.3 Views of Indian Fan Manufacturers Association (IFMA) :

(i) The product in the petition was Ball Bearings and components, whereas the investigation has been carried out only for ball bearings. No analysis has been done for components and no questionnaire has been sent to the component manufacturers.

(ii) The complaint filed by Ball Bearings and Roller Manufacturers Association (BRBMA) containing the information provided by the domestic industry covered only four sizes of 6201 to 6204 i.e. bore dia 10mm to 20mm, duty has been imposed on the entire range from 8 to 50mm bore dia.

(iii) Indian Ball Bearing Manufacturers have not been manufacturing more than 100 numbers / types of bearings out of 8-50 mm whereas internationally, the MNC companies operating in India are manufacturing more than 1000 sizes, numbers and types. The anti dumping duty has been imposed on the basis of information of only four sizes of ball bearings which is absolutely arbitrary and unlawful.

(iv) Even in their own submissions before the Designated Authority, the domestic ball bearing manufacturers association has acknowledged the fact that bearings manufactured with the type of steel by FAG and SKF is ABEC-3 whereas Chinese manufacturers use ABEC-1 specification.

(v) The material used by the applicants for the production of the bearings is vastly different from the material used by the Chinese producers in terms of price, grade and specifications. Even if the fan industry uses similarly numbered bearings produced by the applicants and those imported from China, the fact remains that the fan industry does not need the highly sophisticated and high priced bearings produced by the applicants. In the past, fan industry had no option but to procure the domestically produced bearings as the same were under restricted category with high level of custom duty. Therefore just because the fan industry uses the same number of bearings, it cannot be said that the product under consideration are like article to the products produced by the applicants.

8.4 Examination by the Authority :

(i) Product Under Consideration :

The Authority has considered the views expressed by various interested parties on the issue of production under consideration and like article. The inclusion of parts and components within the description of the product involved is clearly explained in the initiation notification in Para 2 under heading Product Involved. The Designated Authority had clearly stated that Product under consideration includes Ball Bearings and its parts, whether mounted or unmounted, as anti friction bearings that employ balls as rolling element, so long as these imports in effect constitute imports of ball bearings. Anti friction balls, inner and outer races and components of ball bearings are within the scope of the product under consideration. Inclusion of parts and components in the description was with regard to the nature of the product. The parts and components imported separately could, however, be assembled to make a complete bearing with a view to circumventing the anti dumping duty. Predominantly the product under investigation even at the stage of initiation of investigation in this case was Ball Bearings of bore dia up to 50mm. The Authority recalls the preliminary findings on the issue of product under consideration. The Authority had considered it appropriate to make recommendations in the preliminary findings in respect of ball bearings models/types of bore dia above 8mm and up to 50mm. The Authority confirms the preliminary findings and has treated product under consideration as Ball Bearing of bore dia above 8mm and up to 50mm.

(ii) Like Article :

The Authority has considered various arguments on the issue of Like Article. The Authority recalls the preliminary findings on this issue. The usage of different specifications of the raw material by the exporter does not make the finished product i.e. Ball Bearing as different in so far as its usage is concerned. The use of cheaper raw material may lead to a finished product which may be cheaper and cost effective for the user. Nonetheless, the user can use either the cheaper imported product or the domestically produced product, somewhat costlier. However, the two are commercial substitutes. It is an admitted fact that the fan industry had been using the domestically produced Ball Bearings and who have now largely shifted to imported Ball Bearings. Similarly, other users in pumps and other industrial goods segments use the domestically produced Ball Bearings as well as the imported Ball Bearings. It has been argued that the Authority has wrongly included various types of Ball Bearings within the ambit of the present investigation which are not even manufactured in India by the petitioners. The product under consideration is Ball Bearings of inner dia above 8mm up to 50mm. The domestic industry produces Ball Bearings of inner dia above 8mm up to 50mm. Having regard to the nature of the product involved, there are large number of models / types that can be produced within the product description. As long as the domestic industry produces Ball Bearings of inner bore dia above 8mm up to 50mm, the product under consideration is to be held as like article to the domestically produced Ball Bearings. The Authority holds that subject goods i.e. Ball Bearings of bore dia above 8mm and upto 50mm are like article to the domestically produced Ball Bearings.

9. Domestic Industry

9.1 M/s Polar Industries Ltd., an importer has filed WP 3018/2003 before the hon'ble High Court of Bombay challenging inter-alia, the issue of domestic industry in as much as the Authority did not satisfy itself, as required under Rule 5(3), as regards standing of the domestic industry insofar as the 'parts and components' of Ball Bearings are concerned. They have also raised the issue of some of the domestic producers being related to exporters in China and in the Republic of Korea. Similar arguments have been made by IFMA.

9.2 The Authority has examined the arguments in this regard. The description of the product under investigation is 'Ball Bearings and parts and components thereof (up to 50mm bore dia)'. It may be seen from the initiation notification dated 21.9.2002 that the Authority had inter-alia, mentioned 'Product Involved' as under:

"The product involved in the present petition is Ball Bearings and parts and components thereof (up to 50 mm bore dia) (hereinafter referred to as subject goods). Product under consideration includes Ball Bearings and its parts, whether mounted or unmounted, as anti friction bearings that employ balls as rolling element, so long as these imports in effect constitute imports of ball bearings. Anti friction balls, inner and outer races and components of ball bearings are within the scope of the product under consideration. Ball bearings are a part of a larger category of goods known as 'anti friction bearings'."

9.3 The petition had been filed by M/s. FAG Bearings India Ltd., Vadodara, M/s. NRB Bearings Ltd., Mumbai, M/s. SKF Bearings India Ltd., Mumbai, M/s. National Engineering Industries Ltd., Jaipur, M/s. Tata Iron and Steel Company Ltd., (Bearing Division), Kharagpur. These domestic producers account for more than 81.5% of the domestic production of Ball Bearings and therefore, the petitioners satisfied the criteria of standing as domestic industry to file the petition in terms of Rule 5(3) (a) of the Rules supra. The inclusion of parts and components within the description of the product involved is clearly explained in the initiation notification in Para 2 under heading Product Involved. The Designated Authority had clearly stated that Product under consideration includes Ball Bearings and its parts, whether mounted or unmounted, as anti friction bearings that employ balls as rolling element, so long as these imports in effect constitute imports of ball bearings. Anti friction balls, inner and outer races and components of ball bearings are within the scope of the product under consideration. Predominantly the product under investigation in this case is Ball Bearings of inner bore dia up to 50mm. Inclusion of parts and components in the description was having regard to the nature of the product. The parts and components imported separately can be assembled to make a complete bearing with a view to circumvent the anti dumping duty. Therefore, the Designated Authority was required to satisfy the standing of the petitioners as producers of Ball Bearings and not from view point of producers of parts and components. In the preliminary findings dated 6.5.2003, the Authority has made observations in Para 15 regarding Product Under Consideration. Under para 59 of the preliminary findings, the Authority has made recommendations in respect of Ball Bearings models / types of bore dia above 8mm and upto 50mm within the overall scope of the Product under Consideration. The Authority has not made

any recommendation for imposition of anti dumping duty on imports of parts and components of Ball Bearings. The contention of the importer on this ground are, therefore, unfounded and without any justification.

9.4 As regards the arguments of some of the interested parties that some of the domestic producers are either related to exporters and importers or are themselves importers, the authority has examined the arguments as under:

Rule 2(b) of Anti Dumping Rules lays down the definition of the 'domestic industry' as under :

"2(b) 'domestic industry' means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in which case [such producers may be deemed] not to form part of domestic industry."

The explanation below Rule 2(b) provides as under :

"Explanation – [For the purposes of this clause, -

- (i) producers shall be deemed to be related to exporters or importers only if, -
 - (a) one of them directly or indirectly controls the other; or
 - (b) both of them are directly or indirectly controlled by a third person; or
 - (c) together they directly or indirectly control a third person subject to the condition that are grounds for believing or suspecting that the effect of the relationship is such as to cause the producers to behave differently from non-related producers; or
 - (d) a producer shall be deemed to control another producer when the former is legally or operationally in a position to exercise restraint or direction over the latter.]"

9.5 At the time of application, the applicants are required to give information in the application whether any of the petitioners are related to the exporters or importers of the alleged dumped article and, if so, the nature of such relationship. The applicants had furnished certificates in the application as regards their relationship with exporters / importers. They had also given certificates that they had not imported the subject product from the subject countries except for M/s National Engineering Industries Ltd. In the case of M/s National Engineering Industries Ltd., Jaipur (NEI), they had imported 4000 nos. of Ball Bearings during the period of investigation which was considered negligible and not in commercially significant quantities in comparison to their total production and it was felt that this may not be a reason to exclude them as part of the domestic industry keeping in view the provisions of Rule 2(b). The application proforma does not prescribe any form of certificate regarding imports made by the applicants and regarding their relationship, if any, with the exporters / importers. At the stage of examination of the petition the Authority had satisfied itself about the standing of the domestic industry and relationship, if any, of the domestic

producers with the exporters/importers and the domestic producers being themselves importers of the alleged dumped article. On examination of the application made by the domestic industry, the Designated Authority had issued a deficiency letter informing the deficiencies which inter alia sought information regarding imports, if any, made by the petitioner. The applicants had furnished their respective certificates in this regard which formed part of the application submitted. Therefore, the Designated Authority had relied upon the information as reasonably available at the stage of application. In addition, the information relating to imports made by the applicant is also examined in the light of Rule 2(b) containing definition of 'domestic industry'. The import data as available at the stage of application was also examined by the Authority to ascertain the imports made by the domestic producers. The examination did not suggest that any domestic producer had made imports of Ball Bearings in a significant way so as to exclude it from the part of the domestic industry.

9.6 In the instant case, barring conjectures and statements, neither credible evidence has been brought by the importers or their association or any other interested party nor has any evidence been presented in the writ petition before the Hon'ble High Court of Bombay, justifying exclusion of any of the petitioner companies. With regard to five companies whose exclusion has been sought in the arguments of the importers, the position is as under :

a) With regard to SKF, there is a bald statement that SKF, China is an exporter. No instance of any exports having been made by SKF, China have been brought out either by the petitioner herein or any other interested party before the Designated Authority. From a perusal of the import data available with the Designated Authority for the period of investigation, there was no evidence of exports made by SKF Group Company in China to India. On being specifically asked to do so, neither the importer nor IFMA gave any specific information of exports made by SKF Group Company in China. M/s SKF Bearings India Ltd., India has also informed vide letter dated 20th February, 2004 that M/s Dallian SKF Wazhou Bearing Co. Ltd., Liaoning, China is a joint venture company of SKF Group in China for spherical Roller Bearings only and not for 'Ball Bearings' either during the investigation period or at present. The SKF group has also the following three other JVs in China :

- (i) Beijing Nankou SKF Railway Bearing Co. Ltd. Beijing – for manufacture of Railway Axel Box bearings.
- (ii) Anhui CR Seals Company Limited, Anhui Province – for manufacture of rubber seals.
- (iii) SKF Shanghai Bearing Company Ltd., Shanghai – for manufacture of ball bearings. This company was established in 2002 and commenced production in Nov., 2003.

They have also confirmed that none of the above companies were involved at any time in any dumping of ball bearings into Indian market.

b) With regard to FAG, it is not even a claim that the producer in China exported the product under consideration in the investigation period. The ground for exclusion envisaged under Rule 2(b) is the relationship of domestic producer

with an exporter of subject article and not a foreign producer of subject article. Hence the claim is not supported with Rule 2(b). M/s FAG Bearings India Ltd., India has also informed vide their letter dated 18th February, 2004 that they reiterate their earlier certificate dated 2nd July, 2002 given at the initial stage of investigation. Further, they have confirmed that:

- (i) their company has never imported ball bearings from China, Poland, Romania and Russia either directly or indirectly through any affiliate;
- (ii) their parent company in Germany (FAG Kugelfischer AG) has two companies in China;
- (iii) one company in China manufactures TAROL Bearings for Railway applications. This company does not produce Ball Bearings and hence NOT covered in the category of product under reference; and
- (iv) other company in China manufactures Automotive Bearings for Cars, Tractors, etc. This company's products are sold only within the China and NOT exported to India.

c) With regard to NRB, the claim itself is that the Company has imported parts and components of Ball Bearings. It is not the claim of the petitioner that M/s NRB has imported Ball Bearings. As Ball Bearings is the product being dumped, import of parts and components by the domestic producer for the production of Ball Bearings does not disqualify them to form part of domestic industry.

d) With regard to NEI, there was a clear submission by the Company at the application stage itself that they had made some imports of Ball Bearings for specific purpose. It was found by the Designated Authority that these imports from China constituted .0035 % of the production of NEI. These imports were considered insignificant by the Designated Authority so as to warrant exclusion of the producer from part of the domestic industry at the time of initiation of investigation.

e) With regard to TISCO, the import data presented by the domestic industry was examined by the Designated Authority and it was found that the imports made by companies who could be affiliated to the Company were not significant (about 8072 pcs.) and also these imports were not made from subject countries. Therefore, the imports made by some Tata Group companies from other sources could not be a ground for exclusion of TISCO (Tata Bearings) to form part of domestic industry.

9.7 It is also added that the mere fact of some domestic producers being related to an exporter or importer or itself being the importer of the alleged dumped article does not lead to automatic exclusion of such domestic producers from being considered as part of the domestic industry under the above provisions of definition of domestic industry under Rule 2(b). The provisions vest discretion with the Designated Authority to include or exclude any domestic producer to form part of domestic industry having regard to the facts and

circumstances in a particular case. In the instant case, the available facts do not suggest that exports of subject Ball Bearings have been made by any group company of SKF and FAG to India so as to attract the disqualification, if at all, from being considered as part of the domestic industry within the meaning of Rule 2(b) read with the explanation therein. Therefore, the Designated Authority does not find the arguments of the importers as sustainable on the issue of domestic industry. The Authority confirms the preliminary findings to treat the five domestic producers viz. M/s. FAG Bearings India Ltd., M/s. NRB Bearings Ltd., M/s. SKF Bearings India Ltd., M/s. National Engineering Industries Ltd., M/s. Tata Iron and Steel Company Ltd.; (Bearing Division) to represent the domestic industry.

10. Non-availability of sufficient information :

IFMA had also raised issues of non-availability of sufficient information in the non-confidential petition, comparison done on model to model basis and other details which have been dealt with by the Authority vide letter dated 16th January, 2004 sent to IFMA. In response to the Disclosures, IFMA has argued that submissions made by other interested parties have not been made available to them. They have also requested for inspection of the public file. The Authority had issued a detailed letter dated 16th January, 2004 to IFMA wherein various issues raised by IFMA had been clarified. While doing so, the Authority had also advised them to inspect the public file, IFMA had not inspected the public file thereafter. The Authority had also made detailed Disclosures on 1.3.2004 which contained the essential facts as regards all the major issues of the investigation viz. POI, domestic industry, product under consideration, like article, normal value, export price, dumping, injury and causal link. The Authority thus finds the argument of IFMA on this ground as untenable.

C. DUMPING & EXAMINATION OF CLAIMS MADE ON NORMAL VALUE & EXPORT PRICES

Normal Value

11. Under Section 9A(1)(c) of the Customs Tariff (Amendment) Act, 1995 normal value in relation to an article means:

- “(i) The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section(6); or
- (ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either –
 - (a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory to an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or

- (b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6)";

12 Normal Value in respect of China PR

A joint response had been received from the following producer / exporters from China:

- (i) Huanchi Bearing Group Co.Ltd. China
- (ii) Ningbo Huanchi Import & Export Co. Ltd., China
- (iii) Ningbo Teke Bearing Co. Ltd., China.

The above producer / exporters have also furnished questionnaire response giving details of domestic sales, exports to India, sales price structure and cost of production. The exporter has furnished information about 646 models of Ball Bearings produced / sold. They had exported about 145 models of Ball Bearings covered by the investigation during the POI to India.

13. Petitioners have claimed that China and Russia are non-market economies. China and Russia have been treated as non-market economy by European Commission and United States in the past three years. Therefore, determination of normal value in respect of these countries is to be done in accordance with the Rules relating to non-market economies as contained in para 7 & 8 of Annexure-1 of Rules as amended vide Notification dated 4.1.2002. Accordingly, they have claimed that normal value in these countries can be determined on the basis of estimates of cost of production in India including selling, general and administrative expenses and profit.

14. The aforesaid Chinese producer/exporters, in their response, have claimed market economy treatment. They have also drawn reference to provisions of Article 15 of the Protocol of Accession of China to WTO. According to them, the proviso to para 8(2) of Annexure-I of the Rules, inter alia, provides an opportunity for an exporter to rebut the presumption of NME on the basis of the criteria specified in sub-para 3 of para 8 of Annexure-I and the said provisions must be read along with the provisions of Article 15 of the said Protocol.

15. The Chinese exporter has claimed that :

(a) The decisions of The Respondents and other concerned firms in China with respect to prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and the costs of the inputs reflect market values. This is reflected in documents furnished and in the confidential data furnished by The Respondents with the confidential Response to the Questionnaire. It is submitted that there is neither any State regulation of costs or prices of these inputs in China or any system of 'administered prices'.

(b) There is no distortion of production costs and financial situation as the Respondents are entirely private companies as described in the Questionnaire Response and accompanying confidential information and further

as the Respondents have not converted former State assets, or distorted depreciation thereof, or engaged in barter trade or debt forgiveness or debt/equity swaps, or received the benefit of any write-off.

(c) The Respondents are subject to China's regulations with respect to bankruptcy and property respectively. There are number of bankruptcies in China of similar firms as are clear from documents furnished.

(d) As in India the exchange rate is based on the market rate as determined by the Central Bank as is reflected in the confidential data furnished along with the said Confidential Questionnaire Response.

They have claimed that the normal value of subject goods may be determined in accordance with the domestic sales price of subject goods in China during POI. The Chinese exporter/producer has also furnished documents in support of their claim for Market Economy Treatment.

16. The Authority recalls the preliminary findings as regards normal value determination in respect of exporters from China P. R. The Authority had however, found that sufficient evidence and information on the basis of the criteria specified in sub-para (3) of paragraph 8 had not been furnished. The Authority had noted that the producer/exporters have furnished some documents regarding registration, constitution, purchase invoices, audit & account law of PR China. However, these documents fell short of the requirements under sub-para (3)(a) i.e. the decision of concerned firms in such country regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values. Mere submission of some of the purchase invoices, registration certificates etc. was not considered sufficient evidence to establish that the producer/exporters deserve Market Economy Treatment within the meaning of para 8 (3)(a) of Annexure-I of the Rules. In order to meet the criteria laid down under sub-para (3), the Authority advised the producer/exporter to furnish the documents /evidence as mentioned in para 32(i) to (xv) of Preliminary findings. In addition some other deficiencies were advised in para 33(i) to (vi) of the Preliminary Findings. The exporter has furnished information/ documents as pointed out in the Preliminary Findings.

17. The Authority has also conducted an on the spot verification of the information/ documents submitted by the Chinese exporters/ producer. As part of the verification the verification team also held discussions with the officials of MOFCOM in the Ministry of Commerce of People's Republic of China in Beijing.

17.1 As regards the question how the raw materials and other relevant inputs for manufacturing the product concerned are procured and to what extent State or local /regional authority are involved, it was informed by the Chinese officials that the producers of the subject products procured the raw materials and other relevant inputs for manufacturing from the open market based on the market prices set by demand and supply.

17.2 As regards prices of labour, it was informed that the Enterprises are totally free to decide the cost of labour according to the market and skills of the employees. Employees have the rights to collectively negotiate with the Enterprises. There is no subsidy to the cost of labour.

17.3 As regards prices of utility such as electricity and water, it was informed that these are guided by the State according to the demand and supply situation on the market. Other developed and developing countries also have similar regulatory framework or guidelines. The prices of coal and oil are freely decided by the market situation.

17.4 As for the raw material of the subject product, there is no restriction on the imports.

17.5 As regards organizing the labour for production purposes, the Companies concerned make decisions in this regard. However, these Companies must ensure that the minimum average wage levels of their employees are guaranteed and the State or Local Govt. does not give subsidy to the employees of the Companies. Different cities in Zhejiang province have different minimum average wage level.

17.6 As regards accounting documents to be registered, it was informed that financial statements are required to be submitted to Bureau of Taxation.

17.7 As regards commercial loans to the Enterprises and whether the Companies benefit from special loans or subsidy schemes, it was informed that there is no subsidy to the Enterprises in these investigations. The interest rate of the loans to the Enterprises is set through negotiation between the Enterprises and the Bank.

17.8 As regards Bankruptcy Law, there are mainly two laws governing the enterprise bankruptcy, one is the Bankruptcy Law of People's Republic of China, the other is one chapter incorporated in the Law of Civil Procedure of People's Republic of China. The second law applies to the subject companies involved in this investigation.

17.9 As regards profit distribution policy of the Companies and the Income-tax Policy, the Companies concerned can decide how to distribute their profits. The Govt. does not interfere with the distribution of profits of individual enterprises.

17.10 As regards cost of land, the enterprises buy the land from the State. Generally, it is through auction or negotiation that the price for land has been set in the market. Price of the land is decided according to market value. In the other method, State leases the land to the enterprises against a lease fee depending on market factors.

17.11 From the verification of the response of the producer/ exporters it seems that the cost of production as computed by the exporters are as per their books of accounts subject to adjustments/reallocation of certain costs. The information relating to sales-domestic and exports were verified with reference to Company's records.

17.12 The information relating to adjustments on account of inland freight and ocean freight was verified. The Company provided a detailed working of the method of calculating the inland/ocean freight for the purpose of adjustment in the domestic sales price and export price. This was verified from the given information.

17.13 The purchase price of raw materials viz. Steel Pellits, Steel Balls, Rubber Seals were verified from records of the Company.

17.14 Charges of utilities viz. coal, electricity, water and oil were verified. The documents relating to ownership of the land were verified from original records.

17.15 After discussions with the MOFCOM officials, examination of the various records of the exporter / producer (HCH), prima facie it emerged that these exporters / producer are operating under market driven conditions. There does not seem to be an apparent interference of State in fixing of the prices of raw materials, utilities, labour costs, interest rates etc. The evidence of procurement of raw materials from various parties indicates that they do not seem to be related to these producers / exporters. As regards exchange rate of RMB though it was informed that this is decided freely, it is noticed that the rate of US\$ /RMB has remained almost constant @ RMB 8.27 per US\$ for several years and continues to be so. However, this was not found to impact the normal value determination in this case.

17.16 In view of above, it is felt that sufficient evidence has been provided by the aforesaid Chinese producer/ exporters so as to treat that market conditions prevail in their operations and it is considered appropriate to determine normal value in respect of the said Chinese producer/exporter as per paragraphs 1 to 6 of the Annexure I of the Anti Dumping Rules.

18. The producer, M/s Ningbo Teke Bearing Co. Ltd. has different shops doing different activities required for producing the bearings of different models. In the process of producing Ball Bearing the basic raw material used is a single grade Steel Pillet procured from the domestic market. The unit has in-house furnace facilities to convert the steel pillets to steel tubes of different sizes as required for the production of the different sizes of bearings. The unit does not procure steel tubes of different types and diameters from the market and therefore, does not require separate storage space and records therefor. Raw material procurement and storage cost was found to be comparatively cheaper.

19. In response to the Disclosures, the Domestic Industry has argued that it cannot be accepted that the cost of production of M/s HCH, China can be so low as to justify a dumping margin of 3.13%. It appears that the cost of production of the exporter has not been appropriately assessed. Further, the Chinese exporter cannot be granted market economy treatment on the basis of insufficient evidence. It has not been established that the prices of raw material are reflecting the fair market value. The comparison of cost of production of Chinese exporter with the most competitive Indian producer may show a very huge difference. The proposed determination of treating bearings with allegedly different vibration levels as discrete models of the product under consideration is grossly incorrect. The company has not confirmed whether its accounting principles are in conformity with the international accounting standards. Entire submissions of HCH have been treated as confidential. In respect of Ball Bearing type 6202, the basis of normal value determination has not been disclosed.

20. The Authority has examined various arguments of the domestic industry. On an overall assessment of the information and evidence furnished by the co-operative Chinese exporter/producer, verification done by the Authority, the Authority was of the view that there was sufficient evidence to treat the producers / exporters from China viz. M/s HCH as operating under market conditions and not to be treated as from non-market economy in terms of Para 8 (3) of Annexure 1 of the Rules. As regards the accounting standards, the Authority recalls the preliminary findings under Para 5(f)(viii), wherein the exporter had claimed that the accounting system used by them is consistent with international norms in a market economy. This aspect has also been verified by the Authority and the exporter had produced their annual accounts, balance sheet etc. which were in accordance with the generally accepted accounting principles. As regards the cost of production computed for the exporter / producer, the same was done on the basis of information flowing from their financial accounts. Allocation of different elements of costs have been readjusted changing the basis of allocation wherever felt reasonable. As regards the big difference in the cost of production of Chinese producer / exporter and the Indian producers, the Authority notes that there is significant difference in the cost of raw material due to the type of basic raw material used. There are also significant differences in the manufacturing overheads and depreciation.

21. The Authority recalls the preliminary findings where it was recorded that as per Chinese exporter's response exports of Ball Bearings types 6201, 6202, 6203 & 6204 along with their variants like 2RS, V1, 2RS V1, ZZ, ZZV1, ZZV2 constituted about 87.89% of their total exports. The Authority is guided by Rule 17(3) and Article 6.10 of the Anti Dumping Agreement which inter-alia, states that in cases where the number of exporters, producers, importers or types of products involved is so large as to make such a determination impracticable, the authorities may limit their examination either to a reasonable number of interested parties or products by using samples which are statistically valid on the basis of information available to the authorities at the time of selection. The Chinese producer had given information about 646 models of Ball Bearings produced/sold. They had exported about 145 models to India during the POI. From out of these the Authority found that Ball Bearing types 6201, 6202, 6203 and 6304 along with their variants like 2RS, V1, 2RS V1, ZZ, ZZV1, ZZV2 constituted about 87.89% of their total exports. The Authority found it impracticable to determine dumping margin for 145 models. Therefore, keeping in view the above provision of Rule 17(3) and Article 6.10 of the Anti Dumping Agreement, the Authority has considered it appropriate to determine dumping margins in respect of Ball Bearings types 6201, 6202, 6203 and 6304 along with their variants like 2RS, V1, 2RS V1, ZZ, ZZV1, ZZV2 the exports of which represent statistically valid sample.

22. While analyzing the domestic sales data of the producer, the Authority found that in respect of Ball Bearing types 6201, 6202, 6201ZZ, 6202V1, 6202ZZ the domestic sales were less than 5% of the export of respective types to India. The Authority has, therefore determined the normal value for these types on the basis of cost of production, selling general and administration expenses and adding thereto a profit margin of ***%. In respect of remaining types the Authority has determined the normal value on the basis of domestic sales price. On comparison of the net selling price the Authority has found that domestic

sales of types 6203, 6201 2RS, 6201V1, 6201ZZV1, 6202 2RS, 6202 2RSV1, 6202ZZV2 and 6203 2RS, 6203 2RSV1, 6203ZZ and 6203ZZV1 are in the ordinary course of trade. Normal value of these types was determined on the basis of weighted average domestic sales price of these types. Entire domestic sales of types 6204, 62042RS and 6204ZZV1 were not found in the ordinary course of trade as almost 99% to 100% domestic sales transactions were below cost of production plus administrative, selling and general (SGA) costs. Normal value of these types was determined on the basis of cost of production, selling general and administration expenses and adding thereto a profit margin of ***%. More than 20% domestic sales of type 6204ZZ were not in ordinary course of trade. Therefore, the normal value has been determined on the basis of remaining sales which were above cost of production plus SGA.

23. Export Price :

The Authority recalls the preliminary findings regarding determination of export price for the co-operative exporter from China, M/s HCH. The exporter had given information in respect of exports of different models of Ball Bearings to India. They had shown adjustments on account of ocean freight, insurance, packing charges, storage, handling & customs charges. The Authority has verified the adjustment claims and also the export invoices. The ex-factory export price taken for preliminary findings has been considered for final findings.

24. Other Non-cooperative Exporters from China P.R.

For the preliminary findings, the Authority had determined Normal Value in respect of other non-cooperative exporters from China P.R., on the basis of cost of production of subject goods in India plus selling, administration and general expenses and a reasonable profit margin as per para 7 of Annexure-I of the Rules. In response to the Disclosures, it has been argued by M/s K.G. International, FZCO Dubai and All India Ball Bearing Merchants Association that Normal Value information available for the co-operative exporter should also be used in respect of other non-cooperative exporter. Further, the best available information has to be applied with special care and circumspection as per the guidelines of Anti Dumping Agreement.

The Authority has examined the arguments in the light of Para 7 of Annexure II of Anti Dumping Agreement. The exporters from China had been treated as from non-market economy. The market economy treatment has been considered for the co-operative exporter from China, M/s HCH on furnishing of information and evidence as per Para 8 of Annexure I of Anti Dumping Rules. The information / evidence furnished by the said Chinese exporter has also been verified by the Authority and only then market economy treatment was given to them. As other non-cooperative Chinese exporters / producers are from non-market economy, they cannot be given similar market economy treatment on the basis of one cooperative Chinese exporter, whose information has been accepted after verification. Accordingly, in the absence of response from any other exporter from China PR, Authority has determined the constructed normal value on the basis of cost of production including selling, general and administrative expenses and a reasonable profit margin. The cost of raw material has been verified by the Authority and elements of duty have been considered to take international price of raw material. The Authority has also normated the cost of production at

optimum capacity utilisation based on the most efficient domestic producer. The export price was determined for preliminary findings as per the information based on secondary source import data. Considering the same as facts available in accordance with Rule 6(8), the Authority confirms the same export price.

25. Normal Value in respect of Russia

The Authority recalls the preliminary findings. None of the exporters from Russia has co-operated in the investigation. In the absence of any response from any Russian exporter, the Authority proposes to determine normal value on the basis of facts available as per Rule 6(8). The normal value is thus determined on the basis of cost of production including selling, general and administrative expenses and a reasonable profit margin. For this, the Authority has considered the international price of raw materials and normated the cost of production at optimum capacity utilisation based on the most efficient domestic producer.

26. Export price in respect of Russia

The Authority had considered the information provided by the petitioner regarding export price of subject goods from Russia for preliminary findings. There has been no response from any exporter of Russia. None of the importers has given information regarding imports from Russia. The petitioner has claimed export price as per data of secondary source and has shown adjustments on account of ocean freight, marine insurance, commission, inland transport and port handling and port charges. The Authority has found the adjustments shown as reasonable. Due to non-cooperation of exporters from Russia, the Authority has to rely upon facts available as per Rule 6(8) and has determined the ex-factory export price as per facts available.

27. Normal Value in respect of Romania

The Authority recalls the preliminary findings. M/s Koyo, Romania, who are producer of deep groove ball bearings and tapered roller bearings, have informed that they did not export any bearings to Indian market during 2002. They claim to have not issued any invoice to any Indian customer or sent goods to any Indian client as consignee. However, they exported bearings to many dealers from the Middle East or Far East Asia, but they do not have any indication about the final destination of these bearings. As regards M/s Rulmenti S.A. Slatina, it has been informed by the Govt. of Romania that the said company stopped production on August 28, 2002 and is currently under liquidation for bankruptcy. Therefore, no information could be given regarding this investigation. The Authority has examined the import data of DGCI&S and of the secondary source and has found that there are imports showing country of origin as Romania in large number of transactions relating to Ball Bearings covered by the investigation. Therefore, the Authority has sufficient evidence to proceed that ball bearings of Romanian origin were imported during the period of investigation. Due to non-cooperation of exporters from Romania, the Authority had determined normal value for the preliminary findings on the basis of facts available as per Rule 6(8). The normal value was determined on the basis of information furnished by the petitioners, which is based on the domestic sales price in Romania. On the basis of comparison with the constructed Normal Value, the Authority finds the same as reasonable. The Authority confirms the same.

28. Export price in respect of Romania

The Authority had considered the information provided by the petitioner regarding export price of subject goods from Romania for preliminary findings. No information regarding export price was furnished by the Romanian exporter. None of the importers has given information regarding imports from Romania. The petitioner has claimed export price as per data of secondary source and has shown adjustments on account of ocean freight, marine insurance, commission, inland transport and port handling and port charges. The Authority has found the adjustments shown as reasonable. The Authority has to rely upon facts available as per Rule 6(8) and has determined the ex-factory export price as per facts available.

29. Normal Value in respect of Poland

None of the exporters from Poland has furnished complete response to the questionnaire. Only M/s NSK - ISKRA has informed that their company did not export the subject merchandise to India during the POI. Further, their company sold the subject merchandise to unrelated trading companies. They have not furnished information on the questionnaire. The Authority considers the exporters from Poland as non-cooperative. The petitioners have claimed normal value in respect of Poland on the basis of domestic market sales price in Poland. Due to non-cooperation of exporters from Poland, the Authority is constrained to determine normal value on the basis of facts available as per Rule 6(8). The normal value was determined for preliminary findings, on the basis of information furnished by the petitioners which is based on the domestic sales price in Poland. On the basis of comparison with the constructed Normal Value, the Authority finds the same as reasonable. The Authority confirms the same.

30. Export price in respect of Poland

There has been no complete response from any exporter of Poland. The Authority had considered the information provided by the petitioner regarding export price of subject goods from Poland for preliminary findings. The petitioner has claimed export price as per data of secondary source and has shown adjustments on account of ocean freight, marine insurance, commission, inland transport and port handling and port charges. The Authority has found the adjustments shown as reasonable. The Authority has to rely upon facts available as per Rule 6(8) and has determined the ex-factory export price as per facts available.

31. Dumping Margin :

The Authority followed the consistent practice of adopting the principles governing the determination of Normal Value, Export Price and Margin of Dumping as laid down in Annexure I to the anti-dumping rules. Dumping margins have been determined on the basis of a fair comparison of Export Price with the Normal Value in pursuance of the principle laid down in Para 6 of Annexure-1 to the Rules. The comparison is at the same level of trade, i.e. Ex-factory level. Normal Value at ex-factory level has been compared with the export price at ex-factory level of relevant comparable type / model of Ball Bearings. The types of Ball Bearings covered by the product under investigation are very large and it would be impracticable to determine dumping margin for the each and every ball

bearing covered under the description. As per the co-operative Chinese exporters' response, 87.89% of exports were in respect of types 6201, 6202, 6203 & 6204 and their variants. In respect of exports from other countries, there was no co-operation from the exporters. However, as per the import data verified by the Authority, the exports of these models were more than 50%. Therefore, in accordance with Rule 17(3), the Authority has considered it appropriate to limit the determination of dumping margin in respect of these four models and their variants as these covered the largest percentage of the volume of exports from these countries. After determining individual dumping margin, model/type-wise, the Authority has determined a weighted average dumping margin. Based on the Normal Value and export price as determined above, the Authority has determined the following dumping margins (%):

S. No.	Country	Name of Exporter/Producer	Dumping Margin (%)
1.	PR China	M/s Huanchi Bearing Group Co. Ltd., M/s Ningbo Teke Bearing Co. Ltd., M/s Ningbo Huanchi Import and Export Co. Ltd.	3.13
2.	PR China	Other Exporters	280.01
3.	Russia	All Exporters	368.21
4.	Poland	All Exporters	253.17
5.	Romania	All Exporters	181.46

D. INJURY

32. Rule 11 of Anti Dumping Rules reads as follows:

"Determination of Injury:

(1) In the case of imports from specified countries, the designated authority shall record a further finding that import of such article into India causes or threatens material injury to any established industry or materially retards the establishment of any industry in India;

(2) The designated authority shall determine the injury to domestic industry, threat of injury to domestic industry, material retardation to establishment of domestic industry and a causal link between dumped imports and injury, taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on price in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles and in accordance with the principles set out in Annexure II to these rules."

33. The principles for determination of injury set out in Annexure-II of the Anti-Dumping Rules lay down that:

- (i) A determination of injury shall involve an objective examination of both (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for like article and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products.
- (ii) While examining the volume of dumped imports, the said Authority shall consider whether there has been a significant increase in the dumped

imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. With regard to the effect of the dumped imports on prices as referred to in sub-rule (2) of Rule 18 the Designated Authority shall consider whether there has been a significant price under-cutting by the dumped imports as compared with the price of like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase which otherwise would have occurred to a significant degree.

34. Arguments made by the exporters / importers / Associations :

The applicants have provided bulk of the information / data for injury and causal link only for four identified types of Ball Bearing. And at the same time, it appears that the analysis had been undertaken selectively for all types of Ball Bearings for some parameters and for the four types for some of the parameters.

Since the scope of product under investigation includes all types of Ball Bearings from 8mm dia to 50mm dia, though fewer than 10% are produced by the petitioner and injury data furnished only on types 6201, 6202, 6203 and 6204, the Authority may calculate the injury with respect to all Ball Bearings falling within the scope of product under consideration.

There is absolutely no injury to the Ball Bearings of bore dia between 8mm to 50mm.

35. Comments on the Preliminary Findings :

Import Volume – It has been held in the preliminary findings that the imports of subject goods from subject countries have increased from 23.25 lac pieces during 1998-99 to 479.23 lac pieces during the POI, an increase of more than 1600%. The import volume by itself is not an indicator of injury unless the same is analysed in the context of the total market share of the domestic industry.

Production – The production of the subject Ball Bearings have gone up which does not show any injury to the domestic injury.

Capacity Utilization – The capacity utilization of subject bearings have gone up during the POI indicating no injury to the domestic industry.

Sales – The sales of the domestic industry in volume and value terms have gone up during POI. Thus there is no injury on sales.

Profitability – Profitability of applicants have gone up from indexed figure of 100 in 1998-99 to 224.65 during POI. The previous year showed an abnormal increase of 754% over the base year. The profitability is showing a general upward trend and the increase in indexed figure is as high as 224%.

Closing Stock - The closing stock have come down during the POI for all types of Ball Bearings and therefore, there is no injury.

Productivity - The productivity has also increased from 100 in 1998-99 to 146.66 (indexed).

Return on Capital Employed - In the preliminary findings, it was held that ROI has declined from 4.88 during 2000-01 to 4.49 during the POI. However, it has gone up from 1.83 during 1998-99 to 4.49 during the POI. The trend shows a continuous upward trend and there is no basis to assume that injury, if any, has been caused due to the alleged dumping.

Wages and Salaries - The Authority has held that salaries and wages are not being considered as a material indicator regarding injury.

Cash Profit - Cash profit is not one of the fifteen factors of injury but even the cash profit has shown an improvement over the base year, though it was held that it had shown a significant decline during the POI over the preceding year.

Market Share - What is relevant for injury analysis is the decline in the market share of the domestic industry. If the gain in market share by the alleged dumped imports is not at the cost of the complaining domestic industry, no injury can be claimed on account of loss of market share. The share of the complaining domestic industry has fallen only marginally. Obviously, the gain in the market share of imports from the subject countries is on account of imports from other sources. This cannot be claimed as a factor of injury by the applicants.

36. In response to the Disclosures, it has been argued by exporters/importers that the injury parameters do not show any injury to the domestic industry. It has also been argued that it is not permissible to carry out a segment-wise analysis while doing injury analysis.

37. Views of the Domestic Industry :

The entire submission on this account is selective and without comments on those major grounds adduced by the domestic industry and accepted and discussed by the Authority which clearly showed injury. A decline in market share from 65% (1998-99) to 56% (POI) for the participating company and from 90% (1998-99) to 70% (POI) for the Indian industry cannot be described insignificant. The petition is also supported by other Indian producers inasmuch as petition is filed by the association on behalf of the Indian producers.

38. Examination by the Authority:

In response to the Disclosures, it has been argued by exporters/importers that the injury parameters do not show any injury to the domestic industry. It has also been argued that it is not permissible to carry out a segment-wise analysis while doing injury analysis. The Authority has taken into consideration the arguments made by interested parties on the issue of injury.

The Authority has analyzed the information relating to injury furnished by the domestic industry and has also verified the same to the extent considered

reasonable. The analysis of the information relating to various economic factors / indices relevant for injury analysis is as under :

	Unit	1998-99	1999-00	2000-01	POI
					Annualized
		A	B	C	G
Sales					
Indigenous Sales upto 50 MM – Pcs.	Indexed	100	95.33	112.42	116.04
Indigenous Sales upto 50 MM – Rs. Lacs	Indexed	100	96.29	91.04	114.07
Sales of Identified four types Pcs.					
6201	Indexed	100	68.43	82.65	79.94
6202	Indexed	100	86.28	88.30	80.52
6203	Indexed	100	103.41	120.15	132.80
6204	Indexed	100	90.99	101.91	96.45
Profits					
Profit Loss - Upto 50 MM Rs. Lacs	Indexed	100	180.26	754.66	175.35
Profit/Loss as a whole Rs. Lacs	Indexed	100	171.37	280.00	135.21
Cost of Production Rs. Pcs					
6201	Indexed	100	91.69	94.61	94.50
6202	Indexed	100	97.82	96.05	96.14
6203	Indexed	100	98.55	92.00	90.96
6204	Indexed	100	101.07	94.57	96.54
Selling Price Rs. Pcs					
6201	Indexed	100	92.46	101.01	99.44
6202	Indexed	100	98.68	104.95	104.62
6203	Indexed	100	97.77	99.48	96.60
6204	Indexed	100	96.81	100.01	99.84
Profit/Loss Rs. Pcs					
6201	Indexed	-100	-87.64	-61.15	-68.73
6202	Indexed	-100	-91.86	-34.59	-37.50
6203	Indexed	-100	-107.62	-4.86	-25.18
6204	Indexed	100	48.66	161.58	137.19
Output - Production					
Production upto 50 MM	Indexed	100	93.71	118.51	117.91
Production all types – Pcs.	Pcs.	97403050	91805416	115726829	114724842

Production all types – Rs. Lacs	Indexed	100	94.25	118.81	117.78
Production - 6201	Indexed	100	66.36	81.70	75.98
Production - 6202	Indexed	100	88.19	99.15	81.87
Production - 6203	Indexed	100	98.55	92.00	90.96
Production - 6204	Indexed	100	98.90	111.24	107.56
Market Share					
Imports-Volume	As per DGCI&S				
China	Lac Pcs	16.33	43.16	227.24	300.39
Poland	Lac Pcs	1.913	12.98	20.87	27.70
Romania	Lac Pcs	3.09	17.13	33.98	19.09
Russia	Lac Pcs	1.915	30.97	28.67	36.27
Subject Countries	Lac Pcs	23.25	104.24	310.76	383.46
Other Countries	Lac Pcs	113.99	134.58	142.81	175.59
Total Imports	Lac Pcs	137.24	238.82	453.57	559.05
Imports - Value	As per DGCI&S				
China	Rs.	55947578	93968053	327392778	394791779
Poland	Rs.	7981060	33934025	37189317	45524822
Romania	Rs.	16455601	36130647	97544214	84804536
Russia	Rs.	11632589	50302378	102448736	141354207
Subject Countries	Rs.	92016828	214335103	564575045	666475345
Other Countries	Rs.	858589021	1025752635	1431147353	1649722031
Total Imports	Rs.	950605849	1240087738	1995722398	2316197376
Market share in Imports-Qty					
China	%	11.9	18.07	50.1	53.73
Poland	%	1.39	5.44	4.6	4.96
Romania	%	2.25	7.17	7.49	3.41
Russia	%	1.4	12.97	6.32	6.49
Subject Countries	%	16.94	43.65	68.51	68.59
Other Countries	%	83.06	56.35	31.49	31.41

Total Imports	%	100	100	100	100
Market share in Imports-Value					
China	%	5.89	7.58	16.4	17.04
Poland	%	0.84	2.74	1.86	1.97
Romania	%	1.73	2.91	4.89	3.66
Russia	%	1.22	4.06	5.13	6.10
Subject Countries	%	9.68	17.28	28.29	28.77
Other Countries	%	90.32	82.72	71.71	71.23
Total Imports	%	100	100	100	100
Demand	<i>Indexed</i>	100	104.34	127.00	133.91
Market share in Demand					
China	%	1.19	3	12.99	16.29
Poland	%	0.14	0.9	1.19	1.5
Romania	%	0.22	1.19	1.94	1.03
Russia	%	0.14	2.16	1.64	1.97
Subject Countries	%	1.69	7.25	17.77	20.79
Other Countries	%	8.28	9.37	8.17	9.52
All imports	%	9.96	16.62	25.93	30.31
Domestic industry	%	65.06	59.45	57.59	56.38
Indian Industry	%	90.04	83.38	74.07	69.69
Productivity					
Productivity - Pcs. upto 50 MM	<i>Indexed</i>	100	99.52	136.05	146.66
Productivity - Pcs. - Identified types	<i>Indexed</i>	100	89.73	117.06	120.63
Productivity - Value.	<i>Indexed</i>	100	104.66	128.95	142.14
Return on investment	%	1.83	3.17	4.88	2.96
Utilization of Capacity	<i>Indexed</i>	100	102.73	117.23	106.50
Actual and Potential effect on cash flow.					
Cash Profit	<i>Indexed</i>	100	113.62	143.39	95.44
Inventories Pcs.					
Ball Bearings - Upto 50 MM	<i>Indexed</i>	100	78.00	102.66	97.42
Employment					
No. of Employees	<i>Indexed</i>	100	94.71	87.33	80.31
Wages					
Salary & Wages Rs. Lacs	<i>Indexed</i>	100	99.73	107.06	104.85

Growth					
Volume wise	%		-4.67	12.42	-7.17
Value wise	%		-3.71	-8.96	-8.74

39. Cumulative assessment of injury:

As per annexure-II (iii), in cases where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to Anti-dumping investigation, the Authority is required to cumulatively assess effect of such imports, only when it determines that (a) the margin of dumping established in relation to imports from each country is more than 2% expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is 3% of the imports of like article --- and (b) cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic article. The Authority has found that the margin of dumping in respect of each of the subject country is more than 2% and the volume of imports from each country is also more than 3%.

With a view to assess whether the conditions of competition between imported products and the conditions of competition between the imported products and the like domestic product, the Authority's views are that :

- (i) The subject goods have been imported from the subject countries under the same tariff classification;
- (ii) The Authority has found that the imported subject goods are commercial substitutes of the domestically produced ball bearings.
- (iii) The significant shift in sourcing by the domestic fan, motor and pump manufacturers to the imported products in lieu of the domestic product shows that the conditions of competition are quite similar.
- (iv) None of the importers furnished questionnaire response. However, the authority can reasonably conclude from the submissions of the Merchants Association that they deal in the imported and indigenous Ball Bearings. Therefore the channels of distribution are found to be similar.
- (v) Therefore, the Authority finds it appropriate to cumulatively assess the effect of imports of the subject goods on the domestically produced like article in the light of conditions of competition between imported products and the conditions of competition between the imported products and the like domestic product.

40. On examination of various injury parameters, the Authority finds that :

- (i) There is significant increase in the volume of the dumped imports from subject countries. It has increased from 23.25 lac pieces in 1998-99 to 383.46 lac pieces (annualized) during the POI. This increase is about 1549% which is

very significant. The market share of imports from subject countries in relation to production has increased from 2.47% in 1998-99 to 34.59% during POI. Market share of imports from subject countries in relation to the demand has increased from 1.69% in 1998-99 to 20.79% during POI.

(ii) As regards the effect of the dumped imports, the Authority finds that there is a price undercutting by the dumped imports as compared with the net sales realization of the domestic industry in respect of only following four types of Ball Bearings. The price undercutting range has been found as under:

Type	HCH China	China	Poland	Romania	Russia
6201	90-100%	145-155%		40-50%	160-170%
6202	100-110%	155-165%	150-160%	60-70%	200-210%
6203	90-100%	120-130%	130-140%	90-100%	230-240%
6204	100-110%	125-135%	140-150%	125-135%	310-320%

(iii) The price underselling range has been found as under only in respect of following four models :

Type	HCH China	China	Poland	Romania	Russia
6201	155-165%	225-235%	--	90-100%	250-260%
6202	135-145%	200-210%	195-205%	90-100%	255-265%
6203	110-120%	145-155%	155-165%	115-125%	270-280%
6204	100-110%	140-150%	155-165%	140-150%	340-350%

41. The Authority is of the view that the effect of the dumped imports on the domestic industry is to be seen in terms of its performance as regards the product under consideration i.e. Ball Bearings above 8mm to 50mm as per Para (iv) of Annexure II of the Anti Dumping Rules. The impact of the dumped imports on the domestic industry cannot be seen in a limited segment of the product under consideration. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry, the relevant economic factors and indices have been evaluated as per above details as under:

- (i) The share of imports of subject goods from subject countries in relation to total imports increased from 16.94% in 1998-99 to 68.59% during POI. This was an increase of 304%. The market share of imports from subject countries in total demand of subject goods increased from 1.69% in 1998-99 to 20.79% during POI. This shows a significant increase in imports of subject goods from subject countries in relation to consumption in India.
- (ii) The production of ball bearings up to 50mm increased from 100 (indexed) during 1998-99 to 117.91 during the POI. The capacity

utilization increased to 106.5 (indexed) during the POI in comparison to the year 1998-99.

- (iii) The domestic sales of the domestic industry in respect of Ball Bearings upto 50 mm bore dia showed an improvement during POI in comparison to the year 1998-99. However, the sales of only three types of Ball Bearings up to 50mm i.e. models 6201, 6202, and 6204 showed decline in sales. The sales of model 6203, however, showed an upward trend during POI. Detailed examination of domestic industry's sales to various user segments shows that the sales of ball bearing upto 50mm to Fan industry have declined significantly during POI in comparison to the year 1998-99. There is also a significant decline in sales to Pump and Motor segment. The sales of Ball bearing upto 50 mm to automotive segment has shown marginal growth, sales to other segments like Engineering, Textile, Conveyors, Machine tools has shown a healthy trend. This analysis shows that the domestic industry has lost market share in the fan, pumps and motor segment on account of dumped imports. The overall growth in sales of Ball bearing upto 50mm can be attributed to increased demand in Automotive, Engineering, Textile, Conveyors, Machine tools segments. However, the product under consideration is Ball Bearings above 8mm to 50mm. The overall sales performance of the domestic industry showed improvement during POI.
- (iv) The market share of the domestic industry in demand declined from 65.06% during 1998-99 to 56.38% during POI.
- (v) The profits in respect of Ball Bearings upto 50mm showed an improvement during POI in comparison to year 1998-99. Only in respect of models 6201, 6202, 6203, the domestic industry showed losses. In respect of models 6204, the industry showed profits. The profitability of the domestic industry is to be seen for the Ball Bearings up to 50mm which showed improved profitability as 175.35 (indexed) during POI from base year 1998-99 taken as 100 (indexed).
- (vi) The net sales realization of the subject types of Ball Bearings showed decline during the POI in comparison to year 1998-99 only in respect of types 6201, 6203 and 6204.
- (vii) The closing stock of the subject types of Ball Bearings showed marginal decline during the POI in comparison to the year 1998-99.
- (viii) The number of employees in the petitioner companies showed a decline during POI in comparison to the year 1998-99.
- (ix) The productivity per employee improved during the POI in comparison to the year 1998-99.

- (x) There was an increase in the overall salaries and wages payment during the POI in comparison to the year 1998-99. However, the trend in respect of salary and wages is not being considered as a material indicator regarding injury.
- (xi) The capital employed did not show any appreciable change. However, the actual return on capital employed showed a marginal improvement from 1.83% to 2.96% during POI.
- (xii) The cash profit of the petitioner companies showed a decline during POI from the year 1998-99. The overall profitability of the domestic industry has, however, improved during the POI in respect of Ball Bearings up to 50mm and also in respect of Ball Bearings all types.

42. Conclusions on injury:

- (i) The Authority concludes that though there is significant increase in the volume of the dumped imports from subject countries in absolute terms and also in relation to the production and consumption in India, the evidence of price undercutting has, however, been found only in respect of four models of the Ball Bearings covered by the product under consideration. The price underselling has also been found only in respect of four models of the product under consideration.
- (ii) The Authority is of the view that the effect of the dumped imports on the domestic industry is to be seen in terms of its performance as regards the product under consideration as a whole i.e. Ball Bearings above 8mm to 50mm as per Para (iv) of Annexure II of the Anti Dumping Rules. The impact of the dumped imports on the domestic industry cannot be seen with reference to a limited segment of the product under consideration. The domestic industry has shown improved performance in respect of the higher production, higher capacity utilization, improved sales performance, improved profitability, reduced inventory, improved productivity with regard to the product as described for the purpose of this investigation. Price undercutting and price underselling per-se in respect of some of the models of Ball Bearings covered by the product under consideration may not signify overall injury suffered by the domestic industry in respect of product under consideration. The decline in the market share of the domestic industry in demand of subject goods is not considered a significant indicator of injury when the overall demand is growing. The authority thus concludes that based on the available evidence, the domestic industry has not suffered material injury.

43. Causal Link

The Authority has considered the views expressed by the petitioners and other interested parties as regards the causal link. After examining the various economic parameters as above the Authority has concluded that there is no

material injury caused to the domestic industry as a result of dumped imports of subject goods from subject countries.

E. CONCLUSIONS

44. The Authority has, after considering the foregoing, come to the conclusion that:

- (i) Subject goods have been exported to India from subject countries below their normal value resulting in dumping; and
- (ii) The domestic industry has however not suffered material injury as a result of the dumped imports.

45. It is, therefore, considered necessary to withdraw the anti dumping duties recommended provisionally vide Notification No.14/30/2002-DGAD dated 6th May, 2003 on imports of Ball Bearings above 8mm and up to 50mm dia covered under Customs Heading 8482.10, 8482.80 and 8482.91 being the subject matter of this investigation originating in or exported from P.R. China, Poland, Romania and Russia.

46. In view of the above, the Designated Authority recommends withdrawal of the provisional duties in terms of the provisions of Rule 18(4) of the Anti Dumping Rules. The provisional duties already imposed or collected, if any, shall be refunded.

47. An appeal against this order shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Act, *supra*.

ABHIJIT SENGUPTA, Designated Authority